A Daily News Magazine

भोपाल

शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 309, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

हवाई जहाज क्या पहले से ज़्यादा हादसों का शिकार हो रहे हैं?

जोशुआ चीथम, यी मा और मैट मर्फ़ी

हाल में हुई विमान दुर्घटनाओं के बाद कुछ सोशल मीडिया यूज़र्स का कहना है कि हवाई यात्राओं में हादसे पहले से ज़्यादा हो रहे हैं। दक्षिण कोरिया में पिछले साल 29 दिसंबर को लैंडिंग के दौरान एक हवाई जहाज़ दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 179 लोगों की मौत हो गई।

उसके एक महीने बाद वॉशिंगटन डीसी में एक सैन्य हेलिकॉप्टर और पैसेंजर विमान की टक्कर में 67 लोगों की मौत हो गई। अभी पिछले महीने अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ़्लाइट टेक-ऑफ़ के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में विमान में और ग्राउंड पर कुल मिलाकर कम से कम 260 लोगों की मौत हुई थी। सिर्फ़ एक यात्री-ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार रमेश सुरक्षित बच पाए थे।

अमेरिका में हवाई हादसों के आँकड़े नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ़्टी बोर्ड (एनटीएसबी) ने इस साल जनवरी के अंत तक तैयार किए हैं। इन आँकड़ों से पता चलता है कि 2005 से 2024 के बीच अमेरिका में उड़ानों की कुल संख्या में अच्छी-खासी बढ़ोतरी के बावजूद हवाई हादसों में गिरावट आई है। जनवरी 2025 में हादसों की संख्या (52) भी जनवरी 2024 (58) और जनवरी 2023 (70) से कम रही।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइज़ेशन (आईसीएओ) के डेटा के मुताबिक़, 2005 से 2023 के बीच पूरी दुनिया में प्रति 10 लाख विमान उड़ानों पर होने वाले हादसों में भी गिरावट दर्ज की गई है। आईसीएओ की विमान हादसे की परिभाषा काफ़ी विस्तृत है। इसमें न सिर्फ़ वो घटनाएँ शामिल हैं, जिनमें यात्री या चालक दल के लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं या मर जाते हैं, बल्कि वो भी शामिल हैं जब विमान को नुक़सान पहुँचता है और उसकी मरम्मत करनी पड़ती है, या वह लापता हो जाता है।

दुनिया भर में हवाई हादसों में मौतों की संख्या पर नज़र डालें, तो इसी अवधि में इसमें गिरावट दर्ज की गई है। हालाँकि कुछ वर्षों में बड़े हादसों के कारण यह संख्या अचानक बढ़ी भी है। 2014 में दो बड़ी घटनाओं की वजह से हवाई हादसों के आँकड़ों में अचानक उछाल आ गया।

मार्च में मलेशियाई एयरलाइंस की फ़्लाइट एमएच 370 कुआलालंपुर से बीजिंग जाते हुए 239 लोगों के साथ लापता हो गई। उसी साल जुलाई में मलेशियाई एयरलाइंस का ही एक और विमान, एमएच17, पूर्वी यूक्रेन में रूसी मिसाइल से गिरा दिया गया, जिसमें क़रीब 300 लोग मारे गए। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के सांख्यिकी विशेषज्ञ प्रोफ़ेसर सर डेविड स्पीगेलहॉल्टर ने कहा कि ऐसे आँकड़ों में अचानक बड़ी उथल-पुथल आना आम बात है।

उन्होंने कहा, 'ऐसे रैंडम हादसे एक समान तरीक़े से नहीं होते, अक्सर एक ही समय पर कई हो जाते हैं। इसलिए कई बार लगता है जैसे हवाई हादसे आपस में जुड़े हुए हैं, जबकि असल में उनका आपस में कोई ताल्लुक़ नहीं होता।'

पिछले कुछ महीनों में हुए इन बड़े-बड़े विमान हादसों पर फ़िनलैंड के पूर्व विमान हादसा जाँच प्रमुख इस्मो आल्तोनेन ने कहा कि इससे ये नहीं समझ लेना चाहिए कि अब हवाई सफ़र कम सुरक्षित हो गया है। उन्होंने ये भी बताया कि बीते कुछ महीनों में हुए कुछ हादसों को तो पहले से रोका ही नहीं जा सकता था। जैसे दिसंबर में कज़ाख़स्तान में अज़रबैजान एयरलाइंस का विमान तब गिर गया, जब उसे रूसी एंटी-एयरक्राफ़्ट मिसाइल ने निशाना बना लिया।

बकिंघमशर न्यू यूनिवर्सिटी में पूर्व पायलट और सीनियर लेक्चरर मार्को चान ने कहा कि हवाई हादसों को लेकर जागरूकता इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि 'सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स पर अब इन हादसों को बहुत ज़्यादा दिखाया जा रहा है।'

टिकटॉक पर एक वीडियो ख़ूब वायरल हुआ, जिसमें सुपरमैन एक जेट को स्टेडियम में टकराने से बचाता है। इस वीडियो के साथ कैप्शन था, 'पीट बुटीगिग पिछले चार साल से रोज़ ऐसा ही कर रहे हैं, अभी के हालात देखकर।'

बीते कुछ सालों में बोइंग 737 मैक्स एयरक्राफ़्ट से जुड़ी कई घटनाओं ने भी मीडिया और सोशल मीडिया पर काफ़ी सुर्ख़ियाँ बटोरीं, ख़ास तौर पर जनवरी 2024 में जब उड़ान के दौरान एक दरवाज़ा टूटकर निकल गया। इन घटनाओं की वजह से कई यूज़र्स ने बोइंग के बनाए विमानों में यात्रा से परहेज़ करना शुरू कर दिया और कंपनी के शेयरों की क़ीमत में भारी गिरावट आ गई।

विशेषज्ञों ने बताया कि ऐसे हादसों और बड़े क्रैश की जाँच बहुत गहराई से की जाती है। हादसों से जुड़े नए आँकड़े और जानकारियाँ पायलटों के ट्रेनिंग सिमुलेटर में डाली जाती हैं, ताकि वे भविष्य में ऐसी स्थितियों के लिए तैयार रह सकें। इस्मो आल्तोनेन ने कहा, 'अगर आप आज के सिमुलेटर देखें, तो वो इतने एडवांस हैं कि बिल्कुल असली विमान जैसे लगते हैं।'

नियमों की अनदेखी करने पर रेगुलेटर्स एयरलाइंस पर जुर्माना, लाइसेंस सस्पेंड करना या उनकी उड़ानों पर पाबंदी जैसी सख़्त कार्रवाई भी कर सकती हैं। अगर कोई एयरलाइन सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करती, तो उसे किसी देश या समूह से बाहर भी कर दिया जाता है।

अमेरिका के परिवहन विभाग के ताज़ा आँकड़ों के मुताबिक़, 2022 में अमेरिका में परिवहन से जुड़ी जितनी भी मौतें हुईं, उनमें 95 फ़ीसदी से ज़्यादा सड़क पर हुईं। हवाई यात्रा से जुड़ी मौतें 1 फ़ीसदी से भी कम थीं।

अगर मरने वालों की संख्या को तय दूरी के हिसाब से देखें, तो हवाई यात्रा की सुरक्षा और साफ़ हो जाती है। यूएस स्थित नॉन प्रॉफ़िट ऑर्गेनाइजेशन, नेशनल सेफ़्टी काउंसिल (एनएससी) के ताज़ा आँकड़ों के मुताबिक़, 2022 में 10 करोड़ मील की यात्रा पर हवाई जहाज़ में यात्रियों की मौत का आँकड़ा सिर्फ़ 0.001 था, जबकि यात्री वाहनों (कार, बस वगैरह) में यह 0.54 था।

नेशनल सेफ़्टी काउंसिल ने अमेरिका में अलग-अलग तरह के हादसों और बीमारियों से मरने की संभावना का भी ब्योरा दिया है। इसमें साफ़ दिखता है कि सड़क हादसों में मरने का ख़तरा काफी बड़ा है, जबकि विमान हादसों में मरने की आशंका इतनी कम है कि उसका आँकड़ा निकाला ही नहीं जा सका।हालाँकि, ये भी सच है कि हर देश की सड़कें एक जैसी सुरक्षित नहीं होतीं।

'वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने 2021 के आँकड़ों के आधार पर दुनिया भर के देशों में सड़क हादसों से मरने की दर निकाली है। उसके मुताबिक़, सड़क हादसों के मामले में दुनिया के सबसे ख़तरनाक देश हैं, गिनी (हर एक लाख लोगों पर 37.4 मौतें), लीबिया (34.0) और हैती (31.3)। हालांकि इस्मो आल्तोनेन का संदेश है कि उड़ान के मुक़ाबले आपका एयरपोर्ट तक का सफ़र सबसे ख़तरनाक है।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

इस बार 'सुपर स्वच्छता लीग' में इंदौर बना नंबर वन

राष्ट्रपति से सम्मानित: अलग-अलग श्रेणियों में मप्र का अच्छा प्रदर्शन, भोपाल नंबर-2 रहा

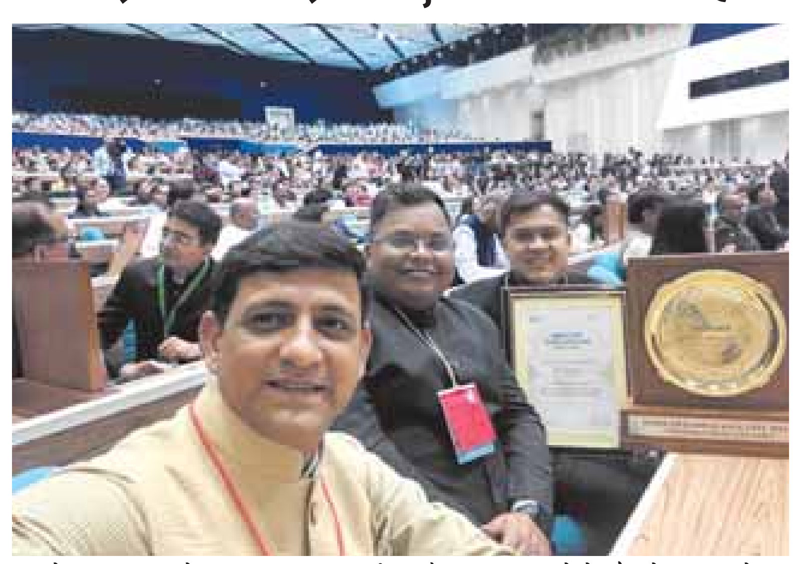

नई दिल्ली। लगातार सात बार देश में सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीतने वाले इंदौर शहर ने इस बार स्वच्छता के मामले में 'सुपर स्वच्छता लीग' में भी बाजी मार ली। दिल्ली में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के अवॉर्ड घोषित किए गए इसमें सुपर स्वच्छ लीग में इंदौर नम्बर वन पर कायम रहा। इस तरह इंदौर लगातार 8वीं बार देश में स्वच्छता में अव्वल रहा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया।

गुरुवार सुबह दिल्ली के विज्ञान भवन में अवार्ड समारोह आयोजित किया गया उसमें पहले स्वच्छता सुपर लीग के अवॉर्ड दिए गए। उसके बाद फिर स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के परिणामों के तहत घोषित अवॉर्ड देने की शुरुआत की गई। इसमें अहमदाबाद को नम्बर वन का अवॉर्ड हासिल हुआ है। नगरीय प्रशासन और विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने यह अवार्ड हासिल किया। सुपर स्वच्छ लीग में दूसरे स्थान पर सूरत और तीसरे स्थान पर नवी मुंबई रहा। उल्लेखनीय है कि इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण के सामान्य मुकाबले से इंदौर को अलग करते हुए 'सुपर स्वच्छ सुपर लीग' बनाई गई। इसमें इंदौर सहित उन 14 शहरों को शामिल किया गया, जो पिछले तीन साल से लगातार पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर आ रहे थे। पहली बार बनी इस स्वच्छता सुपर लीग में इंदौर नंबर वन पर कायम रहा।

मध्यप्रदेश का जलवा कायम

मध्यप्रदेश का स्वच्छता सर्वे-2024 की अलग-अलग श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन रहा। 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की 'सुपर स्वच्छ लीग' सिटी कैटेगरी में इंदौर एक बार फिर नंबर वन बना। 'सुपर स्वच्छ लीग' सिटी में इंदौर को देशभर में पहला स्थान मिला है। यह अवॉर्ड 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की कैटेगरी में दिया गया।

3 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों की लीग में उज्जैन चौथे पायदान पर रहा। 20 हजार से कम आबादी की कैटेगरी में बुधनी ने पांचवां स्थान हासिल किया। वहीं, सामान्य स्वच्छता रैंकिंग में अहमदाबाद पहले और भोपाल दूसरे स्थान पर रहा। जबलपुर नंबर 5 और ग्वालियर 14 नंबर पर रहा। 50 हजार से 3 लाख आबादी वाले शहरों में देवास ने देशभर में टॉप रैंकिंग पाई। जबकि, 20 हजार से कम आबादी की श्रेणी में मध्यप्रदेश का ही शाहगंज तीसरे स्थान पर रहा।

सुप्रभात

बाढ़ में घर बह जाने के बाद
पानी से नफ़रत नहीं की जाती
सीखा जाता है
बाँध बनाना,
जैसे मेरा हाथ जलने के बाद
माँ ने आग से खार नहीं खायी
मुझे हल्दी का लेप लगाया,
अंधड़
जब ले उड़ा उसका छप्पर
किसान हवा पर नहीं चिल्लाया
पुआल से छत बाँधते हुए
उसने धान कटाई का गीत गाया

ज़ुल्म ने बनाया मुझे
और भी ज़्यादा हस्सास,
नफ़रत ने सींचा
मेरे प्रेम को,
अंधेरे ने
उजाले की भूख बढ़ायी,
मैं जब जब हारा
तब तब जीता
एक लड़ाई।

– तनुज मिश्रा

मध्यप्रदेश बनेगा वैश्विक वस्त्र विनिर्माण का नया केंद्र : मुख्यमंत्री

कपास से कपड़े तक : मध्यप्रदेश बना ट्रेसिबल टेक्सटाइल का हब

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्पेन यात्रा के दूसरे दिन का फोकस वैश्विक कपड़ा एवं फैशन क्षेत्र के दिग्गजों से निवेश संवाद का रहा। स्पेन के गैलिसिया स्थित इंडिटेक्स मुख्यालय में हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को 'हरित, लागत-प्रतिस्पर्धी और ट्रेसिबल उत्पादन हब' के रूप में प्रस्तुत किया। बैठक में इंडिटेक्स समूह के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यापारिक साझेदारी और सतत निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार टेक्सटाइल क्षेत्र में वैश्विक साझेदारियों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इंडिटेक्स जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड की उपस्थिति से राज्य में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और हरित उत्पादन को गति मिलेगी। हम इस साझेदारी को सभी स्तरों पर समर्थन देने को तत्पर हैं।

मध्यप्रदेश टेक्सटाइल सेक्टर के लिए आदर्श स्थान– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश देश के शीर्ष कच्चा कपास उत्पादक राज्यों में से एक है, जहाँ सालाना लगभग 18 लाख बेल्स (3 लाख मीट्रिक टन) का उत्पादन होता है। राज्य में 15 से अधिक टेक्सटाइल क्लस्टर हैं इसमें इंदौर, मंदसौर, बुरहानपुर, उज्जैन, नीमच जैसे केंद्र टेक्सटाइल उत्पादन में अग्रणी हैं।

पीएम मित्रा पार्क : इंडिटेक्स के लिए सुनहरा अवसर– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि धार जिले में भारत सरकार की पीएम मित्रा योजना के अंतर्गत विकसित हो रहा टेक्सटाइल मेगा पार्क इंडिटेक्स जैसे वैश्विक ब्रांडों के लिए सस्टेनेबल और इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग का आदर्श केंद्र बन सकता है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस पार्क में गारमेंटिंग यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।

ऑर्गेनिक कॉटन में भागीदारी का आह्वान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश भारत का अग्रणी ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादक है। राज्य में यहां विशेषकर निमाड़ और मालवा क्षेत्रों में बहुतायत में कॉटन का उत्पादन होता है। यहाँ जीओटीएस - सर्टिफाइड किसान समूह सक्रिय हैं, जो इंडिटेक्स की सस्टेनेबिलिटी और ट्रेसिबिलिटी नीतियों के लिए आदर्श साझेदार हो सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फार्मर-टू-फैब्रिक वैल्यू चेन पर इंडिटेक्स के साथ मिलकर काम करने का सुझाव दिया।

ईएसजी फ्रेमवर्क में मेल-जोल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार (ईएसजी) मूल्यों को बढ़ावा देती है। वॉटर रिसायक्लिंग, वेस्ट मैनेजमेंट और डीसेंट वर्क स्टैंडर्ड्स राज्य में लागू हैं। इंडिटेक्स की जिम्मेदार सोर्सिंग नीति के साथ मध्यप्रदेश की दृष्टि पूरी तरह से मेल खाती है।

पेपरलीक से त्रस्त था राजस्थान, सीएम ने बरती सख्ती

- शाह बोले-एसआईटी बनाकर माफिया को दिया कड़ा संदेश
- कहा-हमने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को उड़ाया

जयपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा- राजस्थान पेपर लीक से त्रस्त था। भजनलाल सरकार ने एसआईटी का गठन कर माफिया को कड़ा संदेश दिया। कांग्रेस के कार्यकाल में बार-बार आतंकवादी हमले होते थे। पीएम नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों को बार-बार सबक सिखाया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर उनके ठिकानों को तबाह किया गया। इससे पहले उरी, पुलवामा हमले का भी मुंहतोड़ जवाब दिया गया था। ऊंटों का अस्तित्व को बचाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। कोऑपरेटिव का उपयोग कर ऊंटों का नस्ल संरक्षण और ऊंटनी के दूध के औषधीय गुणों पर रिसर्च शुरू किया गया है। इससे आने वाले दिनों में ऊंटों पर कोई खतरा नहीं आएगा। शाह गुरुवार को जयपुर से करीब 22 किमी दूर दादिया में थे। यहां सहकारिता सम्मेलन के तहत पुलिस के 100 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाई। सहकार उत्पादों की प्रदर्शनी देखी।

भारत और रूस मिलकर बनाएंगे ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल

चीन से लेकर अमेरिका तक सारे एयर डिफेंस हो जाएंगे फेल, ऐसी है ताकत

मॉस्को (एजेंसी)। ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल की ताकत ऑरपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया देख चुकी है। ब्रह्मोस मिसाइलों ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस में तबाही मचा दी थी। सोचिए जिस ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल को आज की तारीख में गिने चुने मोस्ट एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम ही इंटरसेप्ट कर सकते हैं, अगर उसका हाइपरसोनिक वैरिएंट भी बन जाए तो क्या होगा।

जी हां... भारत के डिफेंस सेक्टर के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है कि भारत और

रूस बहुत जल्द ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल बनाने के लिए प्रोजेक्ट शुरू कर रहे हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व महानिदेशक अतुल राणे ने रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा है कि ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल प्रोजेक्ट की 'ईंट रखी जा रही है'। यानि इस प्रोजेक्ट को लेकर काम शुरू हो चुका है। जिसका मतलब है कि भारत अब आधिकारिक तौर पर हाइपरसोनिक मिसाइलों की रेस में शामिल हो चुका है जो आने वाले कुछ सालों में दुनिया की सैन्य शक्ति को बदलकर रख देगा। यानि भारत के पास ब्रह्मोस के तीन वैरिएंट होंगे। एक ब्रह्मोस, जिसका इस्तेमाल हो रहा है। ब्रह्मोस एसयू- जिसका निर्माण अभी चल रहा है और ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल, जिसे बनाने के लिए भारत और रूस जल्द काम शुरू करने वाले हैं।

ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल की स्पीड कितनी होगी फिलहाल इसको लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है, लेकिन रक्षा मंत्रालय से जुड़े कुछ थिंक टैंक मानना है कि इसकी स्पीड अग्नि-5 से अग्नि-8 तक होने वाली है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35°C न्यूनतम 30°C

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 18 जुलाई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

माहौल बनने लगा है...

एक बार फिर किसान 'आंदोलन' की सुगबुगाहट

● अमेरिका के साथ होने वाले कृषि व्यापार समझौते का विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एक बार फिर किसान आंदोलन की सुगबुगाहट सुनाई देने लगी है। किसानों के संगठन भारतीय किसान समन्वय समिति (आईसीसीएफएम) ने केंद्र सरकार से अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते से कृषि क्षेत्र को बाहर रखने की मांग की है। किसानों को डर है कि अगर ऐसा नहीं होता है तो भारतीय किसानों के हितों को गंभीर नुकसान होगा। आईसीसीएफएम ने सरकार से अपील की है कि वह भारत और अमेरिका के बीच होने वाले व्यापार समझौते से कृषि को पूरी तरह से बाहर रखे। उसका कहना है कि ऐसा करने से ही भारतीय किसानों के हितों की रक्षा हो सकेगी।

आईसीसीएफएम में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र समेत 11 राज्यों के किसान संगठन शामिल हैं। यह संगठन किसानों के मुद्दों पर काम करता है। आईसीसीएफएम ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर किसानों

के हितों को अनदेखा किया गया तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। हालांकि, संगठन को उम्मीद है कि सरकार क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) से हटने के फैसले की तरह ही इस मामले में भी किसानों के हित में फैसला लेगी। आईसीसीएफएम ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में किसान संगठन ने कहा है कि अगर अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों को बिना टैरिफ के भारत में आने दिया गया तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। अमेरिका और चीन के बीच 2018 से व्यापार युद्ध चल रहा है। इसका असर अमेरिका के कृषि निर्यात पर पड़ा है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा लगभग दोगुना हो गया है।

यमन में नहीं मिलेगी भारतीय नर्स को माफी

● मृतक का भाई बोला-हमें मुआवजा नहीं चाहिए

कहा-सजा में भले ही देरी हो,बदला लेकर रहेंगे

सना (एजेंसी)। यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में फंसी भारत की नर्स निमिषा प्रिया को माफ करने से महदी परिवार ने इनकार कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक महदी के भाई अब्देल फत्तह महदी ने सोशल मीडिया पर साफ कहा कि मैं अपने भाई की हत्या के मामले में कोई माफी या समझौता नहीं चाहता। महदी ने कहा, न्याय की जीत होगी ,भले ही सजा में देरी हो, लेकिन बदला लेकर रहेंगे। चाहे कोई भी कितना दबाव डाले या मिन्नतें करे, हम क्षमा नहीं करेंगे और ब्लड मनी (खून के बदले दी जाने वाली रकम) नहीं लेंगे। निमिषा को मौत की सजा 16 जुलाई को होनी थी, लेकिन इसे फिलहाल टाल दिया गया है। चैनल अरबी को दिए एक इंटरव्यू में भी महदी ने कहा, हम शरियत कानून

के तहत 'किसास' यानी बदले की मांग करते हैं। निमिषा को मौत की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ हत्या ही नहीं,बल्कि सालों तक चले इस केस ने भी नुकसान पहुंचाया है।

पाक-चीन सीमा पर गरजेंगी अमेठी से निकलीं राइफलें

● जल्द मिलने वाली है खेप,सेना को मिलेगा रूसी ब्रह्मास्त्र

अमेठी (एजेंसी)। भारतीय सेना को अगले 2-3 हफ्ते में कलाश्निकोव एके-203 राइफलों की अगली खेप मिलने वाली है, जिससे उसकी मारक क्षमता में बड़ा इजाफा होगा।

उत्तर प्रदेश के अमेठी में एक संयुक्त भारत-रूसी उद्यम के तहत निर्मित इन राइफलों में से 35,000 सेना को 2024 में मिली थीं, जबकि एक लाख अतिरिक्त यूनिट 2026 में दी जाएंगी। सेना दशकों पुरानी आईएनएसएएस राइफल को एके-203 से बदल रही है, जो रूसी मूल की असॉल्ट राइफल है। भारत ने रूस के साथ जुलाई 2021 में 5,000 करोड़ रुपये का एक अनुबंध किया था, जिसके तहत 6 लाख से अधिक एके-203 राइफलें देश में रूस से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ निर्मित की जानी हैं। सूत्रों के मुताबिक सेना को अगले 2-3 हफ्तों में 7 हजार कलाश्निकोव एके-203 राइफलें मिलेंगी। इंडो-रूसी राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) ने कहा कि वह समय-सीमा का पालन कर रही है और इस साल के अंत तक 100 प्रतिशत स्वदेशीकरण हासिल कर लिया जाएगा। सरकार इस मामले को लेकर काफी ऐक्टिव है। मोदी सरकार आत्मनिर्भर भारत को लेकर काफी जोर दे रही है।

नीट यूजी रीएग्जाम पर अब सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

● एमपी हाईकोर्ट ने मांग खारिज की थी, 21 से होनी है कांउसलिंग

भोपाल (एजेंसी)। नीट यूजी 2025 एग्जाम इंदौर और उज्जैन के सेंटर्स पर दोबारा कराने की मांग अब सुप्रीम कोर्ट में सुनी जाएगी। अदालत ने इस संबंध में दर्ज पिटीशन पर सुनवाई की मांग मान ली है। अगले सप्ताह इस विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच सुनवाई करेगी। 14 जुलाई को एमपी हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने रीएग्जाम की मांग वाली याचिका खारिज की थी। इसके बाद एनटीए ने उन 75 स्टूडेंट्स का रिजल्ट जारी कर दिया था जिनका रिजल्ट रोका गया था। अब याचिकाकर्ता इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। दरअसल, इस साल नीट यूजी परीक्षा 4 मई को देशभर के 552 एग्जाम सेंटर्स पर आयोजित हुई थी। परीक्षा के बाद इंदौर के एक एग्जाम सेंटर के बच्चों ने शिकायत की कि परीक्षा के दौरान आंधी-तूफान से आने से लाइट चली गई जिससे

उन्हें अंधेरे में परीक्षा देनी पड़ी। इससे उनका पेपर खराब हो गया। स्टूडेंट्स ने हाईकोर्ट से अपील की कि उनके सेंटर के लिए नीट का पेपर दोबारा कराया जाए।

एमपी हाईकोर्ट की सिंगल जज की बेंच ने एनटीए को इन 75 स्टूडेंट्स का रिजल्ट रोककर बाकी स्टूडेंट्स का रिजल्ट जारी करने का निर्देश दिया। एनटीए ने 14 जून को परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया। इसके बाद हाईकोर्ट में 3 जजों की बेंच ने इन स्टूडेंट्स के लिए रीएग्जाम कराने का आदेश कराने से इनकार कर दिया। हालांकि, एनटीए को कहा कि भविष्य में ऐसा न हो। अब इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। याचिका दायर करने वाले कैंडीडेट्स ने बताया कि उनका एग्जाम सेंटर पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 था, जहां 4 मई को वो दोपहर 2 से शाम के 5 बजे की शिफ्ट में एग्जाम देने पहुंचे थे। इस बीच तेज बारिश और आंधी के चलते करीब 3.30 बजे बिजली चली गई। सेंटर पर कोई बैकअप नहीं था और कमरे में अंधेरा हो गया। कैंडीडेट्स को इस स्थिति में ही एग्जाम देना पड़ा। करीब 4. 30 बजे सेंटर पर मोमबत्तियां जलाई गईं। याचिका में मांग की है कि या तो प्रभावित कैंडीडेट्स का री-एग्जाम हो या उनके फेयर इवैल्यूएशन के लिए कोर्ट कोई दूसरी रेमेडी सुझाए।

कर्नाटक सरकार ने आरसीबी को बताया जिम्मेदार

कहा-परेड की इजाजत नहीं ली,कोहली का वीडियो डालकर लोगों को बुलाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) की विक्ट्री डे परेड पर हुई भगदड़ को लेकर कर्नाटक सरकार की रिपोर्ट गुरुवार को सामने आई। रिपोर्ट में हादसे का जिम्मेदार आरसीबी को बताया गया है। इसमें कोहली का भी जिक्र है। कर्नाटक सरकार ने कहा है कि आरसीबी ने चिन्नास्वामी में आयोजित विक्ट्री परेड के लिए सरकार से कोई अनुमति नहीं ली थी। भीड़ ज्यादा होने से भगदड़ मची। जिसमें 11 लोगों की जान गई और 50 घायल हुए। हालांकि सरकार ने यह भी कहा कि आयोजन को अचानक रद्द करने से हिंसा भड़क सकती थी और शहर में कानून-व्यवस्था बिगड़ जाती। सरकार ने 15 जुलाई को हाईकोर्ट को रिपोर्ट सौंपी थी। सरकार ने कोर्ट में कहा था कि वे रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहते हैं लेकिन कोर्ट ने कहा कि ऐसी गोपनीयता के लिए कोई कानूनी आधार नहीं है।

दिन की रोशनी में बिहार में कायम है 'अंधेरे' का राज

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना के पारस अस्पताल में भर्ती कुख्यात अपराधी चंदन मिश्रा की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना को लेकर सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। एक साथ पांच अपराधी अस्पताल आते हैं और आईसीयू के कमरा नंबर 209 के

अंदर घुसकर घटना को अंजाम देने के फरार हो जाते हैं। अस्पताल पहुंचे पांच में से चार अपराधियों ने कैप पहना था। लेकिन किसी भी अपराधी के चेहरे पर नकाब नहीं था और ही डर। इन सभी ने आईसीयू वाली गैलरी में ही हथियार निकाल लिए थे। कुछ ही क्षण में घटना को अंजाम देने के बाद वो फरार हो गए। इस घटना को लेकर आईजी जितेंद्र राणा का बयान आया है। उन्होंने बताया कि अपराधी चंदन मिश्रा हाल ही में इलाज के लिए जेल से पैरोल पर बाहर आया था।

अगले 3 साल में सभी घरों में लग जाएगा सोलर प्लांट

● पूरा खर्च देगी बिहार सरकार ! सीएम नीतिश का ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार के बिजली उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी है। नीतिश सरकार ने उन्हें बड़ा तोहफा दिया है। घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलेगी। गरीब परिवारों को सौर ऊर्जा प्लांट लगाने का पूरा खर्च सरकार देगी। अन्य परिवारों को भी सरकार मदद करेगी। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने गुरुवार को यह घोषणा की। राज्य सरकार अगले तीन साल में सभी घरों पर सौर ऊर्जा प्लांट लगाएगी। कुटीर ज्योति योजना के तहत गरीब परिवारों को सौर ऊर्जा प्लांट लगाने का पूरा खर्च राज्य सरकार देगी। बाकी लोगों को भी सरकार मदद

करेगी। सरकार के इस फैसले से लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। चुनावी साल में नीतिश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह कार्यक्रम के लिए विवाह भवन बनाने को कहा है।

वाड्रा की 43 संपत्तियां जब्त और चार्जशीट भी दाखिल

● लैंड डील केस में ईडी का बड़ा ऐक्शन, मनी लॉन्ड्रिंग का भी आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने चार्जशीट दाखिल की है। इसके अलावा ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा की 43 संपत्तियों को भी जब्त कर लिया है, जिनकी कीमत 36 करोड़ रुपये के करीब बताई जा रही है। शिकोहपुर लैंड डील केस में ही यह कार्रवाई की गई है। ईडी ने शिकोहपुर लैंड डील केस में ही चार्जशीट फाइल की है। इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का भी आरोप है और उसकी जांच के

लिए ही ईडी को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस चार्जशीट में रॉबर्ट वाड्रा के अलावा और नाम हैं।

बांग्लादेश में नहीं टूटेगा सत्यजीत रे का पैतृक मकान

● यूनिस के देश ने मान ली भारत की बात,संपत्ति का विध्वंस रोका

ढाका (एजेंसी)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सत्यजीत रे के 200 साल पुराने पुश्तैनी घर को गिराने की कार्यवाही रोक दी गई है। समाचार एजेंसी आईएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक, एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम और कूटनीतिक सफलता के रूप में बांग्लादेश सरकार ने मैमनसिंह में सत्यजीत रे के पैतृक घर पर चल रहे विध्वंस कार्रवाई को रोक दिया है। यह घटनाक्रम भारत सरकार द्वारा हस्तक्षेप करने और संपत्ति की मरम्मत और पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए स्वेच्छा से आगे आने की अपील के एक दिन बाद सामने आया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में मंगलवार को कहा था,हमें गहरा दुख है कि बांग्लादेश के मयमनसिंह में

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और साहित्यकार सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति, जो उनके दादा और प्रख्यात साहित्यकार उपेंद्र किशोर रे चौधरी की थी, को ध्वस्त किया जा रहा है। मंत्रालय ने संपत्ति को ध्वस्त करने के बांग्लादेश सरकार के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया था। विदेश मंत्रालय ने इस प्रतिष्ठित इमारत के बांग्ला सांस्कृतिक 'पुनर्जागरण' का प्रतीक होने के कारण इसे संरक्षित करने में मदद करने की पेशकश की थी। ताकि इसे 'साहित्य संग्रहालय' बनाया जा सके। भारत ने मैमनसिंह में स्थित इस 'ऐतिहासिक' इमारत को ध्वस्त करने के कदम को 'बहुत दुखदायी' बताते हुए बांग्लादेश से इसे दोनों देशों की साझा संस्कृति के प्रतीक संग्रहालय में परिवर्तित करने का आग्रह किया था और इसके लिए सहयोग देने का वादा किया था। यह प्रतिष्ठित इमारत फिल्म निर्माता के दादा उपेंद्र किशोर रे चौधरी की थी जो एक प्रसिद्ध साहित्यकार भी थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी बांग्लादेश सरकार से इस ऐतिहासिक संपत्ति को संरक्षित करने की अपील की थी। उन्होंने यह भी बताया कि इस दो सौ साल पुरानी संपत्ति को ध्वस्त करने का काम शुरू हो चुका है।

ढाका के होरीकिशोर रे चौधरी रोड स्थित यह ऐतिहासिक स्थल और 200 साल पुरानी संपत्ति रे के दादा, प्रसिद्ध साहित्यकार उपेंद्र किशोर रे चौधरी की थी। इसे मैमनसिंह शिशु अकादमी में बदल दिया गया था। बांग्लादेशी समाचार पत्र डेली स्टार ने मंगलवार को बताया कि रे के दादा के पैतृक घर, जिसे पहले मैमनसिंह शिशु अकादमी के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, को एक नए अर्ध-कंक्रीट ढांचे के निर्माण के लिए ध्वस्त किया जा रहा है।

3 करोड़ी कोठी ध्वस्त,यूपी से मुंबई तक तड़ातड़ छापे

● 'तिलिस्मी' छांगुर बाबा पर यूं बरसा योगी सरकार का डंडा

बलरामपुर (एजेंसी)। बीती पांच जुलाई को लखनऊ के एक होटल में ठहरे 76 साल के जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को यूपी एटीएस ने धरदबोचा। साथ में उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन भी मिली। दोनों को रिमांड पर लेकर पुलिस ने पूछताछ शुरू की। फिर जो खुलासे हुए, उसे जानकर हर कोई दंग रह गया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अख्तियार किया। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि जलालुद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही

नहीं बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। उसको ऐसी सजा दी जाएगी जो समाज के लिए नजीर बनेगी। फिर छांगुर बाबा के बुरे दिन आ गए। सबसे पहले बलरामपुर की उसकी आलीशान कोठी को बुलडोजर से गिरा दिया गया। तीन करोड़ की इस कोठी में सुख-सुविधा के सभी साधन मौजूद थे। छापेमारी में पुलिस को शक्तिवर्धक दवाएं और मसाल आयल भी बरामद हुआ। इस कोठी को गिराने में प्रशासन का आठ लाख रुपया खर्च हुआ। इसे भी छांगुर बाबा से वसूला जाएगा।

14 बैंक खातों की मिली जानकारी, 5 विदेश में

ईडी को छांगुर बाबा के 14 बैंक खातों की जानकारी मिली है। इनमें कई विदेशी देशों से जमकर फंडिंग आई है। बाबा का नेटवर्क नेपाल और दुबई तक फैला हुआ था। विदेश में भी इस गैंग के पांच बैंक अकाउंट के बारे में पता चला है। बताया जा रहा है कि गैंग के सदस्य पिछले कुछ सालों के भीतर 50 इस्लामिक देशों का दौरा कर चुके हैं। इन पैसों को किसने भेजा, इनका क्या उपयोग हुआ, ईडी इसके बारे में छानबीन कर रही है।

हिंदू लड़कियों से लव जिहाद फिर ब्लैकमेलिंग का खेल

जांच में पता चला कि गैंग में शामिल लड़के हिंदू बनकर लड़कियों को अपने प्रेम जाल में फंसाते थे। उनसे शादी का वादा कर संबंध बनाते थे। इस बीच वे अश्लील वीडियो बनाकर उनको ब्लैकमेल करते थे। जबरन धर्म परिवर्तन कराने के लिए वह उनको छांगुर बाबा के पास ले जाया करते थे। छांगुर बाबा की गिरफ्तारी के बाद कई ऐसी लड़कियां सामने आई हैं। उन्होंने छांगुर और उसके गुर्गों पर जान से मारने की धमकी समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संज्ञान लेने के बाद प्रशासन और पुलिस के अफसर छांगुर बाबा और उसके नेटवर्कपर लगातार चोट कर रहे हैं। आठ जुलाई को सीएम ने मिट्टी में मिलाने को कहा था।

बड़े पापा के घर युवती ने लगाई फांसी

विदिशा से मेहमानी में आई थी, भाई ने देखा फंदे पर लटका शव

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बागसेवनिया इलाके में युवती ने बड़े पापा के घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। वह विदिशा की रहने वाली थी। मेहमानी में बड़े पापा के घर रह रही थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना बुधवार रात की है। गुरुवार दोपहर पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी गई है।

बागसेवनिया थाने के एसआई भारत सिंह मीना ने बताया कि सुरभि पुत्र राजकुमार (29) मूलतः विदिशा जिले की रहने वाली है। उसके बड़े पिता विद्या नगर सी-सेक्टर बागसेवनिया में रहते हैं। सुरभि व उसके परिवार का भोपाल में आना-जाना लगा रहता था। उसकी मां प्राइवेट काम करती हैं, जबकि भाई विवेक अपनी कार को टैक्सी में चलाता है। बुधवार को मां और भाई काम पर चले गए थे। भाई के साथ चचेरा भाई भी चला गया था। सुरभि घर पर अकेली ही थी।

भाई ने सबसे पहले देखा फंदे पर लटका हुआ शव– भाई ने उसे कॉल किया। बहुत देर तक जब कॉल रिसीव नहीं हुआ तो भाई घर पहुंचा। यहां पर उसे सुरभि फंदे पर लटकी मिली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा बनाकर कार्रवाई शुरू की। प्राथमिक तौर पर पता चला है कि सुरभि मनोरोगी थी। परिवार के लोग उसका इलाज भी करा रहे थे। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

भोपाल जंक्शन पर मानसिक बीमार युवक ने किया हंगामा

आरपीएफ कॉन्स्टेबल ने किया कंट्रोल, युवक को मां के सुपुर्द किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 पर मानसिक रूप से असंतुलित युवक के हंगामे से यात्रियों के बीच अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। युवक बार-बार यात्रियों से उलझ रहा था और माहौल बिगाड़ रहा था। मौके पर तैनात आरपीएफ आरक्षक रामबाबू ने स्थिति को भांपते हुए तत्काल हस्तक्षेप किया और युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन युवक ने उनके साथ भी बहसबाजी और हंगामा शुरू कर दिया।

स्थिति गंभीर होते देख आरक्षक रामबाबू ने तत्काल उपनिरीक्षक रविंद्र सिंह को सूचित किया। उपनिरीक्षक सिंह ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन जब मामला शांत नहीं हुआ तो आरपीएफ निरीक्षक को बुलाया गया।

निरीक्षक स्तर से कार्रवाई होने के बाद युवक को काबू में किया गया और आरपीएफ पोस्ट लाया गया। आरपीएफ द्वारा पूछताछ में युवक ने अपना नाम भारत (उम्र 33 साल) बताया और कहा कि उसकी मां कमला देवी, बीना में रेलवे गैंगमैन के पद पर कार्यरत हैं।

भारत ने एक मोबाइल नंबर दिया, जिस पर संपर्क करने पर कमला देवी से बात हुई। उन्हें तत्काल भोपाल बुलाया गया। कुछ घंटों में ही कमला देवी, निवासी रेलवे कॉलोनी बीना, आरपीएफ पोस्ट भोपाल पहुंचीं। औपचारिक प्रक्रिया के बाद युवक भारत को उनकी सुपुर्दगी में दे दिया गया।

मांडू में ट्रेंड होंगे कांग्रेस के विधायक

पॉलिटिकल और टेक्निकल एक्सपर्ट से सीखेंगे सोशल मीडिया को कैसे बनाएं ब्रह्मास्त्र

भोपाल (नप्र)। मप्र में लगातार हार का मुंह देख रही कांग्रेस अब चुनाव के तीन साल पहले से अपने तैयारियों में जुट गई है। धार जिले के मांडू में कांग्रेस के विधायकों को दो दिन तक ट्रेनिंग दी जाएगी। अलग-अलग मामलों के एक्सपर्ट विधायकों को प्रशिक्षण देंगे। इस ट्रेनिंग कैम्प को नव संकल्प शिविर नाम दिया गया है।

20 जुलाई को पहुंचेंगे विधायक

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की निगरानी में विधायकों की ट्रेनिंग होगी। विधायक 20 जुलाई को मांडू पहुंचेंगे और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करेंगे। इसके बाद 21 और जुलाई को लगभग 12 सत्रों में विधायकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एमपी नगर में सड़क धंसी...गड्ढा इतना गहरा कि कार समा जाए

बारिश के बीच सबसे व्यस्त रोड पर हादसा, धरने पर बैठे कांग्रेस नेता

भोपाल (नप्र)। तेज बारिश के बीच राजधानी भोपाल के सबसे व्यस्त इलाके एमपी नगर में सड़क धंस गई। यहां मेन रोड पर करीब 8 फीट गहरा और 10 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे सड़क किनारे का एक हिस्सा अचानक भरभराकर धंस गया। ये गड्ढा इतना गहरा है कि इसमें कोई कार भी समा जाए। अच्छी बात ये रही कि जब सड़क धंसी, तब कोई वहां से गुजर नहीं रहा था। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

बोर्ड ऑफिस की ओर से एमपी नगर की ओर आने वाली जिस सड़क पर ये गड्ढा हुआ है, वह शहर की सबसे व्यस्त सड़कों में से एक है। हादसे के बाद यहां जाम के हालात बन गए। सूचना मिलने पर एमपी नगर एसडीएम एलके खरे मौके पर पहुंचे। इसके बाद गड्ढे के आसपास बेरिकेडिंग कराई गई।

कांग्रेस नेता धरने पर बैठे, भ्रष्टाचार के लगाए आरोप

सड़क के धंसने के बाद सियासत भी गरमा गई है। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अभिनव बरोलिया गड्ढे के किनारे पर ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि यह पीडब्ल्यूडी का भ्रष्टाचार का जीता जागता नमूना है। जब हादसा हुआ, तब मैं यहां से गुजर रहा था। यदि कोई कार यहां से गुजरती तो पूरा परिवार हादसे का शिकार हो सकता था।

बरोलिया ने कहा- पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह कहते हैं कि जब तक रहेंगी सड़क, तब तक रहेंगे गड्ढे। वे यहां आकर देखें और पता लगाए कि यह भ्रष्टाचार का कितना बड़ा नमूना है। सरकार इसकी जांच कर दोषी पर कार्रवाई करें। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अभिनव बरोलिया गड्ढे के किनारे पर ही धरने पर बैठ गए।

23 साल पहले सीपीए ने पीडब्ल्यूडी को सौंपी थी सड़क

एसडीएम खरे ने बताया, ज्योति टॉकीज के सामने पुराना फुटपाथ बना है। इस पर पुराना नाला है। नाले की मिट्टी खिसकने से सड़क धंस गई। यह रोड राजधानी विकास परियोजना (सीपीए) ने पीडब्ल्यूडी को साल 2002 को सौंपी थी। तब से पीडब्ल्यूडी का डिवीजन नंबर-2 मेंटेनेंस कर रहा है।

आज ही कराएंगे रिपेयर

एसडीएम ने बताया कि इस संबंध में पीडब्ल्यूडी अफसरों से बात की है। सड़क को आज ही रिपेयर करवा रहे हैं। ट्रैफिक जाम न हो, इसलिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी और ग्वालियर-प्रयागराज एक्सप्रेस में अब तीन स्लीपर कोच

19 जुलाई से लागू होगा बदलाव, रेलवे ने बढ़ती भीड़ को देखते हुए लिया फैसला

भोपाल (नप्र)। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस (12197/12198) और ग्वालियर-प्रयागराज एक्सप्रेस (11801/11802) में एक-एक अतिरिक्त स्लीपर कोच स्थायी रूप से जोड़ने का फैसला किया है। इससे अब इन दोनों गाड़ियों में स्लीपर कोच की संख्या बढ़कर तीन हो जाएगी।

रेलवे ने बताया कि कोच वृद्धि 19 जुलाई 2025 से चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी। गाड़ी संख्या 12198 ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस और वापसी गाड़ी 12197 भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस में 19 जुलाई से यह बदलाव प्रभावी होगा। वहीं, गाड़ी संख्या 11801 ग्वालियर-प्रयागराज एक्सप्रेस में 20 जुलाई से और वापसी गाड़ी 11802 प्रयागराज-ग्वालियर एक्सप्रेस में 21 जुलाई से स्लीपर कोच बढ़ाया जाएगा। इन गाड़ियों में अब कुल 19 आईसीएफ कोच होंगे, जिससे ज्यादा यात्रियों को सीट मिल सकेगी और रिजर्वेशन में भी राहत मिलेगी।

रेलवे प्रशासन ने कहा है कि यात्रियों की बढ़ती संख्या और सुविधाओं की जरूरत को देखते हुए समय-समय पर कोच वृद्धि जैसी व्यवस्था की जाती रहेगी। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पहले आरक्षण की स्थिति की जांच कर लें और निर्धारित समय से पहले स्टेशन पहुंचे। इस निर्णय से खासतौर पर ग्वालियर, भोपाल, प्रयागराज और मध्य मार्ग के यात्रियों को लाभ मिलेगा, जो लंबे समय से अतिरिक्त कोच की मांग कर रहे थे।

कैंसर पीड़ित 80 प्रतिशत बच्चे हो रहे रिकवर

इलाज के साथ तनाव मुक्त रखना जरूरी, एम्स में एसीटी क्लिनिक और मॉडर्न प्ले रूम शुरू

भोपाल (नप्र)। एम्स भोपाल से कैंसर पीड़ित बच्चों के लिए राहत भरी खबर सामने आई हैं। संस्थान की नई रिपोर्ट के अनुसार, अब बचपन में कैंसर का समय पर और समुचित इलाज मिलने से करीब 80 प्रतिशत बच्चे ठीक हो रहे हैं। इसके लिए जरूरी है कि संपूर्ण इलाज के साथ उन्हें तनाव मुक्त रखा जाए। इसके लिए ऑफ्टर कंपलेशंस आफ थेरेपी क्लिनिक और एक आधुनिक प्ले रूम की शुरुआत की गई है।

खुशहाल जीवन की ओर अग्रसर करना लक्ष्य

एम्स भोपाल के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने कहा, कैंसर से जंग जीत चुके बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य और पुनर्वास को केंद्र में रखते हुए एसीटी क्लिनिक की शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य न केवल उपचार के बाद के स्वास्थ्य प्रभावों से बच्चों को राहत देना है, बल्कि उन्हें एक सामान्य और खुशहाल जीवन की ओर अग्रसर करना भी है।

क्यों जरूरी एसीटी क्लिनिक

बच्चों में इलाज के बाद भी उन्हें विकास, हार्मोन, हृदय, मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन सभी पहलुओं की समग्र देखभाल के लिए एसीटी क्लिनिक की शुरुआत की गई है।

इस क्लिनिक में पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजिस्ट, एंडोक्रोनोलॉजिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट, न्यूरो-डेवलपमेंट विशेषज्ञ, साइको-ऑन्कोलॉजिस्ट, पोषण विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट, सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षक शामिल रहेंगे। पूरे कार्यक्रम का समन्वय एनाटमी विभाग द्वारा किया जाएगा, जिससे इंटिग्रेटेड ट्रीटमेंट पर जोर दिया जा सके।

शुरू हुआ प्ले रूम

कैंसर पीड़ित बच्चों को इलाज के दौरान तनाव मुक्त रखने के लिए नए प्ले रूम बनाए गए हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि यह कैन-किड्स-कीड्स कैन संस्था के सहयोग से तैयार किए गए है। यह प्ले रूम कैंसर और गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों के लिए मनोरंजन और मानसिक राहत का केंद्र बनेगा। इससे उनके उपचार के कठिन समय को थोड़ा सरल और खुशहाल बनाया जा सकेगा।

शरीर के साथ मन का ख्याल रखना जरूरी

एम्स के डॉक्टरों के मुताबिक, इलाज में अब बदलाव आ रहा है। अब तक बीमारी के इलाज में फोकस सिर्फ शारीरिक उपचार तक सीमित होता था। लेकिन, बीते सालों में कई रिसर्च ने यह साफ किया है कि शरीर के साथ मन को स्वस्थ रखना भी आवश्यक है। इसलिए, अब एम्स में इलाज सिर्फ दवा तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह आशा, ताकत और खुशियों को लौटाने की प्रक्रिया है।

एसीटी क्लिनिक उसी दृष्टिकोण का विस्तार है, जिससे हम यह सुनिश्चित कर सकें कि बच्चे न सिर्फ बीमारी से उबरें, बल्कि जीवन को संपूर्णता से जी सकें।

एमपी में विधायकों के लिए बनेंगे नए फ्लैट

तीन हजार वर्गफीट में तीन बेडरूम, हॉल, किचन समेत अन्य सुविधाएं ; 21 जुलाई से शुरुआत

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के विधायकों के लिए राज्य सरकार फ्लैट बनाएगी। विधायकों के लिए 102 फ्लैट बनाने के फैसले को कैबिनेट ने दस महीने पहले मंजूरी दी थी और अब 21 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इन फ्लैट्स के लिए भूमिपूजन करेंगे। इनका निर्माण लोक निर्माण विभाग की देखरेख में कराया जाने वाला है, जिसके लिए विभाग के अफसरों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

नए बनने वाले फ्लैट्स में एक विधायक को तीन हजार वर्गफीट एरिया में तीन बेडरूम, एक हॉल और किचन समेत ओपन एरिया भी मिलेगा।

लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने कहा कि स्पेन से लौटने के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव विधायक विश्राम गृह परिसर में बनने वाले विधायकों के फ्लैट्स के लिए भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद इसका काम शुरू हो जाएगा। इसकी निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग ही है।

सिंह ने कहा कि अभी विधायक विश्राम गृह में विधायकों को जो कक्ष आवंटित किए जा रहे हैं, वह पर्याप्त स्पेस वाले नहीं हैं। विधायकों से मिलने वालों के हिसाब से यह जगह कम पड़ती है। नए आवास बनाने में इसका विशेष तौर पर ध्यान रखा गया है कि विधायकों की निजता और उनके क्षेत्र के लोगों के साथ संवाद के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया जाए।

1958 में बने भवन को तोड़ा जाएगा

विधायक के लिए फ्लैट बनाने जो एरिया चुना गया है वह विधायक विश्राम गृह के खंड एक और पुराने पारिवारिक खंड के साथ शॉपिंग काम्पलेक्स और दुकानों वाला एरिया है। इन्हें तोड़कर नए सिरे से काम किया जाएगा। प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने कहा कि 102 फ्लैट बनाने में 159.13 करोड़ रुपए की लागत आएगी और इसमें तीन बेडरूम होंगे जिसे विधायक अपने परिजनों और गेस्ट के लिए उपयोग में ला सकेंगे।

यहां 80 से 100 लोगों के बैठने के हिसाब से एक हॉल भी रहेगा और सिक्योरिटी गार्ड के लिए भी अलग से कमरा होगा।

गौरतलब है कि पूर्व में विधायकों के लिए आवास बनाने का फैसला विधानसभा कैम्पस के 22 एकड़ जमीन पर लिया गया था। यहां हरे भरे पेड़ काटे जाने थे और नगर निगम के कुछ पेड़ काटे भी थे। पेड़ों को काटने का भोपालवासियों ने विरोध किया जिसके बाद प्लान में बदलाव किया गया।

बोलेरो ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचला, मां की मौत

पुलिस ने चालक को पकड़ा, पिटाई का वीडियो सामने आया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार इलाके में दानिशकुंज पर एक बोलेरो कार ने बाइक सवार मां-बेटे को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कुसुम कुशवाह की मौके पर ही मौत हो गई। उसके बेटे को मामूली चोटें आई हैं। घटना के समय बोलेरो में चार युवक सवार थे। सभी एक काले रंग की स्कॉर्पियो का पीछा कर रहे थे। पीछा करते समय लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हादसा हुआ है।

घटना के समय पास से ही एक राजनेता का काफिला गुजर रहा था। इसकी व्यवस्था के लिए घटना स्थल के पास पुलिस बल भी तैनात था। लिहाजा काफिले के पायलेट वाहन में सवार पुलिसकर्मियों और स्थानीय पुलिस ने बोलेरो को रोका और उसमें सवार युवकों को हिरासत में ले लिया।

होटल का संचालन करती थी महिला

पुलिस के मुताबिक दामखेड़ा ए सेक्टर निवासी कुसुम कुशवाह पति स्वर्गीय हेगालाल कुशवाह (52) डी मार्ट के पास चाय नाश्ते की होटल चलाती थीं। बुधवार रात 10:30 बजे वे होटल बंद कर बेटे राजन की बाइक पर सवार होकर घर जा रही थीं। तभी तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मारी, जिससे महिला की मौत हो गई है। मृतका के तीन बेटे, एक बेटी हैं। बेटों की शादी हो चुकी है।

20 दिन पहले खोली थी होटल

कुसुम कुशवाह ने बीस दिन पहले ही चाय नाश्ते की दुकान का इनोग्रेशन किया था। बेटे के साथ इस दुकान का संचालन करती थीं। स्वयं नाश्ता बनाने का काम करती थीं। पति की कोरोना के चलते चार साल पहले मौत हो चुकी है।

बोलेरो में शराब कंपनी के कर्मचारी थे सवार

बताया जा रहा है कि कुसुम और बेटे को टक्कर मारने वाली बोलेरो कार एक स्कॉर्पियो का पीछा कर रही थी। स्कॉर्पियो में शराब तस्कर सवार थे। जबकि बोलेरो कार में एक शराब कंपनी से जुड़े लोग थे। टक्कर लगते ही बोलेरो कार को मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने पकड़ लिया। स्पॉट पर ही आरोपी चालक की जमकर पिटाई की गई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। जिसे राहगीरों ने अपने मोबाइल से शूट किया था।

उपतहसीलों को मर्ज करने पर राजस्व विभाग का यू-टर्न

पीएस बोले– कोई रेवेन्यू कोर्ट बंद नहीं होगा, पहले 12 जिलों में लागू होगी नई व्यवस्था

भोपाल (नप्र)। राजस्व न्यायालयों की संख्या कम करने के सरकार के फैसले का तहसीलदारों द्वारा विरोध किए जाने के बाद राज्य सरकार ने यू टर्न लिया है। प्रमुख सचिव राजस्व विवेक पोरवाल ने कहा है कि कोई भी राजस्व न्यायालय बंद नहीं होगा। सभी रेवेन्यू कोर्ट पहले की तरह काम करते रहेंगे। सिर्फ तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों के काम के बंटवारे में बदलाव किए जाएंगे।

शुरुआती दौर में 31 जुलाई तक 12 जिलों में यह व्यवस्था लागू की जाएगी और जो कमियां सामने आएंगी उसे सुधारकर एक अगस्त से पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा।

प्रमुख सचिव राजस्व पोरवाल ने कहा कि यह बात गलत सामने आ रही है कि रेवेन्यू कोर्ट बंद हो रहे हैं। उनकी ओर से कैबिनेट के फैसले के बाद जो आदेश जारी किया गया है, उसमें साफ लिखा है कि सभी रेवेन्यू कोर्ट चलेंगे।

पोरवाल ने कहा कि शुरुआत में जिन 12 जिलों में तहसीलदारों से रेवेन्यू कोर्ट और लॉ एंड ऑर्डर का काम अलग-अलग कराने का फैसला किया गया है, उनमें भोपाल, नरसिंहपुर, सिवनी, उमरिया, शहडोल शामिल हैं।

तहसीलदारों के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात– कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा (तहसीलदार) संघ के प्रतिनिधिमंडल ने आज रेवेन्यू कोर्ट कम किए जाने के राजस्व विभाग के फैसले के विरोध में प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल से मुलाकात की। संघ के प्रांताध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान और साथी अफसरों ने इसकी जानकारी प्रमुख सचिव को दी तो उन्होंने आश्वस्त किया कि कोई कोर्ट कम नहीं की जा रही हैं।

इसके बाद संघ के प्रतिनिधिमंडल को प्रमुख राजस्व आयुक्त से उन जिलों की जानकारी लेने के लिए कहा गया, जहां यह व्यवस्था लागू की जा रही है। गौरतलब है कि कल तहसीलदारों के संगठन ने सभी जिलों में रेवेन्यू कोर्ट कम किए जाने के फैसले के बाद कलेक्टरों को ज्ञापन भी सौंपा था।

प्रमुख राजस्व आयुक्त के पत्र से बनी गफलत की स्थिति

बताया जाता है कि इस मामले में गफलत की स्थिति प्रमुख राजस्व आयुक्त अनुभा श्रीवास्तव के चलते बनी। उन्होंने सभी जिलों को पिछले महीने हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान आयुक्त भू अभिलेख और प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय के मर्जर की जानकारी देते हुए कहा था कि न्यायालय तहसीलदार और न्यायालय नायब तहसीलदार को इंटीग्रेट कर सिर्फ एक ही तहसीलदार न्यायालय रखा जाएगा। इसके लिए सभी उपतहसीलों को तहसील कार्यालय में समायोजित किया जाएगा। ऐसा होने पर रेवेन्यू कोर्ट की संख्या घटना तय था।

किसानों को फायदा के बजाय नुकसान होता

राजस्व विभाग अगर उपतहसीलों को तहसील कार्यालय में मर्ज करता तो इसका सबसे ज्यादा नुकसान गांव में रहने वाले किसानों को होता। एक तहसील में दो सौ से ज्यादा गांव होते हैं और तहसील मुख्यालय ऐसे में दूर पड़ता है।

उपतहसील की व्यवस्था लागू रहने से रेवेन्यू संबंधी मामलों के लिए पच्चीस से तीस किमी दूर तय करने के बजाय 10 से 12 किमी दूरी में किसानों का काम नायब तहसीलदार के यहां से हो जाता है। अगर नायब तहसीलदार के किसी फैसले से किसान असंतुष्ट हैं, तो वे तहसीलदार के कोर्ट में आवेदन करते हैं। उप तहसील खत्म होने से उन्हें समय और धन दोनों ही गंवाना पड़ता।

संपादकीय

छांगुर का धर्मांतरण रैकेट

उत्तर प्रदेश के उतरौला में जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की गिरफ्तारी के बाद उसके द्वारा देश विदेश में चलाए जा रहे अवैध धर्मांतरण के रैकेट को लेकर रोज नए नए खुलासे हो रहे हैं। अब यह साफ है कि मुस्लिम देश और ईसाई मिशनरियां भारत में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण का खेल खेल रही हैं और इसके लिए अरबों रू. का फंड आ रहा है ताकि भारत में किसी भी तरह से हिंदुओं की आबादी को कम कर इसे या तो इस्लामी या फिर ईसाई राष्ट्र में तब्दील कर दिया जाए। छांगुर बाबा इसी व्यापक षड्यंत्र की महत्वपूर्ण कड़ी है। हिंदू लड़कियों को फंसाकर उनका धर्म बदलवाने के घृणित खेल का छांगुर बाबा मास्टर माइंड है। भारत में मुसलमानों की आबादी बढ़ाने के लिए दो तरफा साजिश पर काम हो रहा है। इसमें सोशल मीडिया की अहम भूमिका है। एक तरफ तो हिंदुओं पर सीधे आतंकी हमले हैं तो दूसरी तरफ नकली हिंदू बनकर मुसलमान युवा बड़े पैमाने पर हिंदू लड़कियों को फंसाकर पहले उनसे शादी करते हैं और लड़की फंसने के बाद उसे अपना असली मजहब और नाम बताते हैं साथ ही लड़की को भी मुसलमान बनाने के लिए मजबूर किया जाता है। नहीं बनती तो उन्हें यातनाएं दी जाती हैं और बन जाने पर उनका शारीरिक शोषण कर उन्हें वेश्यावृत्ति के धंधे में झोंक कर उनका पूरा जीवन बर्बाद कर दिया जाता है। इस गंदे खेल के लिए मुस्लिम युवकों को बाकायदा पैसा दिया जा रहा है। वो इसे 'पुण्य कार्य' समझ कर इस्लाम की सेवा के भाव से कर रहे हैं। हाल में पुलिस ने देश भर से ऐसे कई मामलों का खुलासा कर आरोपी युवकों को गिरफ्तार किया है। लेकिन यह तो शुरुआत भर है। यह जाल बहुत दूर तक गहरे तक फैला है। छांगुर बाबा कांड ने तो पूरे हिंदू समाज की आंखें खोलकर रख दी हैं। छांगुर बाबा को ऐसी ही कुछ पीड़ित युवतियों की शिकायत के बाद यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया है।

जब छांगुर बाबा की अकूत संम्पत्ति का खुलासा होने पर ईडी छांगुर के उतरौला के 12 और मुंबई के 2 ठिकानों को ईडी की टीमें खंगाल रही हैं। छांगुर ने तीन से चार हजार से अधिक हिंदुओं को निशाना बनाया था। इसमें एक महिला नीतू उर्फ नसरीन जिसे हिंदू से मुसलमान बना लिया गया था, भी अपने पति नवीन रोहरा के साथ शामिल है। उसे भी जेल भेजा गया है। वह महिलाओं को लाने का काम करती थी, इसके बदले उसे पैसा मिलता था। चिंता की बात यह है कि छांगुर भारत, नेपाल सीमा पर स्थित कई शहरों और गांवों में धर्मांतरण का रैकेट चला रहा था। छांगुर बाबा कांड की जांच एसटीएफ ने बीते वर्ष फरवरी माह में शुरू की थी, जिसके बाद नवंबर में अपनी रिपोर्ट देने के साथ एटीएस थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। बताया जाता है कि धर्म परिवर्तन के लिए छांगुर बाबा के खातों में छह देशों से 100 करोड़ से अधिक राशि जमा हुई थी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस पूरी गैंग का असली आका कौन है? छांगुर बाहर से आने वाले किसी फोन के आदेश पर तुरंत अमल करता था। यह भी खुलासा हुआ है कि छांगुर को भारत के 640 में से उन 579 जिलों की पहचान कराई गई थी, जहां हिंदू बहुसंख्यक में हैं। सवाल यह है कि छांगुर बाबा यह रैकेट कई सालों से चला रहा था लेकिन हमारी खुफिया एजेंसियां और पुलिस बेखबर कैसे थी? अगर पीड़ित लड़कियां रिपोर्ट नहीं करतीं तो यह रैकेट यूं ही चलता रहता।

गरीबी एवं असमानता के विरुद्ध नेल्सन मंडेला

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी
लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। वर्तमान में केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

तोड़ना और नष्ट करना आसान है। नायक वे हैं जो शांति स्थापित करते हैं और निर्माण करते हैं- नेल्सन मंडेला के शब्द। यह 18 जुलाई नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस नेल्सन मंडेला के जीवन और विरासत का सम्मान करने के लिए प्रतिवर्ष विश्व भर में मनाया जाता है। आज के दिन दुनिया के प्रत्येक व्यक्तियों को सामुदायिक सेवा के लिए 67 मिनट समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह दिन स्वतंत्रता, न्याय और लोकतंत्र में उनके योगदान को भी मान्यता देता है। अपने समय के महानायक नेल्सन मंडेला का रंगभेद की अहिंसक लड़ाई कदाचित किसी को न पता हो। सभी उनके बारे में जानते हैं। उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से नवाज़ा गया। भारत में शांति के लिए विशिष्ट पुरस्कार गाँधी शांति सम्मान भी दिया गया।

दक्षिण अफ्रीका में भारत भूमि के महात्मा गाँधी के नक्से कदम पर चलने के लिए प्रसिद्ध नेल्सन मंडेला से बहुत कुछ आज की पीढ़ी सीख सकती है। वह कहते थे जब तक हमारे विश्व में गरीबी, अन्याय और घोर असमानता बनी रहेगी, हममें से कोई भी सचमुच चैन से नहीं रह सकता। आज दुनिया की स्थिति बहुत अजीब सी दशा में है। गरीबी शून्य विश्व की कल्पना पूरे विश्व में मात्र कल्पना है। अफ्रीकी देश में ही भूख व गरीबी बहुत बड़ी समस्या है। गरीबी उन्मूलन के लिए, जबकि बहुत बड़ी कोशिश राज्य कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य का पहला एजेंडा है शून्य गरीबी। किन्तु 2015 से अब तक यानी पिछले 10 वर्षों में विश्व के देश गरीबी से मुक्ति के लिए बहुत निर्णायक रणनीति के साथ न काम कर सके और न ही उपलब्धि ही हासिल हो सकी है। दरअसल, गरीबी, अन्याय और घोर असमानता, यह सभी मानवाधिकारों का हनन है। मंडेला की इच्छा थी कि सभी इस चुनौती से लड़ें। राज्य और चेंजमेकर सभी भुखमरी और गरीबी से लड़ें। यदि इस समस्या पर काबू पाया जा सकेगा तो विश्व में अन्य जो चुनौतियां है, उससे लड़ा जा सकेगा। भूख व गरीबी से जूझते देश कभी भी अन्य चुनौतियों से न लड़ सकते हैं और न ही गरिमापूर्ण जीवन जी सकते हैं।

आज युग है डिजिटल प्रौद्योगिकियों का। डिजिटल प्रौद्योगिकियाँ विकास व विस्तार की नई परिभाषाएं रच रही हैं। लेकिन भूख व गरीबी का मसला भी कोई कम नहीं है। रंगभेद के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले नेल्सन मंडेला 1994 से 1999 तक दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रहे हैं। उन्हें 27 साल जेल में बिताने पड़े थे। लेकिन उनकी रिहाई के बाद, उन्होंने देश में रंगभेद को समाप्त करने के लिए काम किया। दुनिया भर में मानवाधिकारों के लिए एक मजबूत आवाज बने। उनके जीवन की कठिनाइयाँ और अफ्रीकी देशों में मानवाधिकारों के संकट को वह बखूबी जानते थे। इसलिए नेल्सन मंडेला की मुख्य आवाज़ उन समस्याओं के खिलाफ बुलंद हुई जो अफ्रीकी नागरिकों को गरिमापूर्ण ज़िन्दगी जीने में बाधा हैं।

आज़ हमारे देश के चेंजमेकर नेल्सन मंडेला के विशिष्ट दिवस को जब सेलीब्रेट कर रहे हैं तो इस अफ्रीकन गांधी नेल्सन मंडेला अपनी प्रतिबद्धताओं के साथ नई पीढ़ी को उनके कर्त्तव्यबोध का अभिनन्दन कर रहे हैं। इस वर्ष की नेल्सन मंडेला दिवस सेलीब्रेट करने की प्रतिबद्धता है गरीबी और असमानता का मुकाबला करना अभी भी हमारे हाथ में है। विश्व के ऐसे दो महनीय कार्य कर रहे सेवाभावी लोगों को नेल्सन मंडेला पुरस्कार 2025 दिया जा रहा है। नेल्सन मंडेला की आमजन के प्रति अभिरुचि व अवदान को ध्यान में रखकर जिन्हें यह पुरस्कार दिया गया है। निःसंदेह नेल्सन मंडेला के जीवन दर्शन व उनके नेतृत्व क्षमता को उन्होंने जिया है। संयुक्त राष्ट्र ने कनाडा की एक स्वदेशी सामाजिक कार्यकर्ता और केन्याई सामाजिक उद्यमी को 2025 संयुक्त राष्ट्र मंडेला पुरस्कार के लिए चुना है।

2025 संयुक्त राष्ट्र नेल्सन रोलिहलाहला मंडेला पुरस्कार के विजेताओं में ब्रेंडा रेनॉल्ड्स शामिल हैं, जो कनाडा में स्वदेशी समुदायों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए काम करने वाली सॉल्टो विरासत की एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। इसके अलावा, कैनेडी ओडेडे, शाइनिंग होप फॉर कम्युनिटीज़ के संस्थापक और सीईओ हैं। शाइनिंग होप फॉर कम्युनिटीज़ एक केन्याई जमीनी स्तर का संगठन है जो शहरी मलिन बस्तियों में सेवाएँ प्रदान करता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, महासभा के उनहत्तरवें सत्र के अध्यक्ष फिलेमोन यांग के साथ नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस के वार्षिक स्मरणोत्सव के रूप में भाग लेकर गरीबी और असमानता का मुकाबला करना अभी भी हमारे हाथ में है विषय परकेन्द्रित एक समारोह में ये मानद पुरस्कार देंगे। संयुक्त राष्ट्र चैंबर संगीत सोसायटी कॉन्सर्ट हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस महान विभूति को स्मरण करते हुए विश्व में अपना सन्देश दिया है कि नेल्सन मंडेला के असाधारण जीवन ने दिखाया कि कैसे एक व्यक्ति उत्पीड़न, संघर्ष और अधीनता को सुलह, सामाजिक न्याय और एकता में बदल सकता है। जिस प्रकार मदीबा का जीवन मानवीय भावना की विजय था, उसी प्रकार उनकी विरासत शांति, न्याय और मानवीय गरिमा के प्रति हमारी वैश्विक प्रतिबद्धता को पुनर्जीवित करने का आह्वान है। इस वर्ष का विषय हमें याद दिलाता है कि गरीबी और असमानता को समाप्त करने की शक्ति हम सभी के हाथों में है। मंडेला सामूहिक, जमीनी स्तर की कार्रवाई की शक्ति में विश्वास करते थे। वह जानते थे कि आम लोग इतिहास की धारा को मोड़ सकते हैं, और यह कि स्थायी परिवर्तन राजधानियों और बोर्डरूम में नहीं, बल्कि मोहल्लों और समुदायों से शुरू होता है। मंडेला का सेवा और प्रगति से भरा जीवन, संयुक्त राष्ट्र में हमारे अपने प्रयासों को प्रेरित करता रहता है, जैसा कि हम अपनी 80वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस महत्वपूर्ण दिन पर, और हर दिन, आइए हम सभी मदीबा की स्वतंत्रता, न्याय, समानता और पृथ्वी पर प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता से प्रेरित हों।

आज़ का समय इतिहास के पन्नों में नेल्सन मंडेला शांति दशक के रूप में भी उल्लिखित है। किन्तु हम विश्व के लोग एक ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण समय के साक्षी हैं जब पूरी दुनिया में शांति नहीं है। युद्ध और संघर्ष की अनेक कहानियां हैं। विश्व में तनाव है। डिजिटल एज में रह रही आज की आबादी अनेक परमाणु हथियारों से भयभीत है। कुछ देश या तो परमाणु हथियार की क्षमता से को बढ़ाना चाहते हैं या कुछ देश ऐसे हैं जो परमाणु हथियार से लैश होना चाहते हैं। ऐसे में इस दुर्भाग्यपूर्ण काल में गरीबी और भुखमरी के अलावा जो शांति पक्ष है वह खतरनाक मोड़ पर खड़ा है। भूख व गरीबी भी एक प्रकार का युद्ध है। नेल्सन मंडेला के जीवनोद्देश्य में जो बुनियादी संघर्ष रहा है उसे आज दुनिया के राज्य समझने को तैयार हो नहीं रहे हैं। वे युद्ध, संघर्ष व भयावह असमानता के लिए व्यापक प्रयास कर रहे हैं। विश्व खाद्य संगठन, वर्ल्ड बैंक व यूएनएचसीआर की एक तरफ से बहुत से देशों की क्रूरता व बर्बरता को प्रकट करते हुए कई रिपोर्ट इस बीच आई हैं। ये सभी रिपोर्ट बहुत अच्छी नहीं हैं। इससे लगता है कि राज्यों की मंशा ही ख़राब है। वे अपने नागरिकों के विकास को भी अपनी क्रूरता व बर्बरता से हासिल करना चाहते हैं। ऐसे में, विश्व की साढ़े आठ सौ करोड़ की आबादी की चिंता अब जलवायु न्याय भी करने में भी विवश हो चुकी हैं। नेल्सन मंडेला चाहते थे कि त्यागी नेतृत्व व देश तैयार हों। राज्य व त्यागी जनकल्याण नेतृत्व की आज कमी इसलिए खल रही है। आज सच यही है कि न कोई नेल्सन मंडेला को समझने को तैयार है और न ही वर्तमान परिस्थिति को। नेल्सन मंडेला कहा करते थे कि जीवन में मायने रखने वाली बात सिर्फ़ यह नहीं है कि हमने जीवन जिया है। मायने यह रखता है कि हमने दूसरों के जीवन में क्या बदलाव लाया है। कदाचित आज के लोग उन्हें स्मरण करते हुए समझने का प्रयास करते तो भी दुनिया का भला हो जाता।

इस्लामीकरण के भयानक छांगुर तंत्र को कैसे देखें

धर्मांतरण

अवधेश कुमार
लेखक दिल्ली निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में हिंदुओं को मुसलमान बनाने का जैसा तंत्र सामने है वह देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए चेतावनी है। यह स्वतंत्र भारत का अब तक का एक व्यक्ति केंद्रित हिंदुओं को मुसलमान बनाने का ऐसा सबसे बड़ा तंत्र सामने आया है जो कंपनी की तरह व्यवस्थित है, जिसकी अनेक परतें हैं , जिसमें हिंदुओं को फंसाने ,बरगलाने के लिए युवक - युवतियों की तैयार फौज सक्रिय है, उनकी संख्या बढ़ाई जा रही है और तंत्र के स्थायी देशव्यापी ठोस ढांचे के रूप में विस्तृत होने की प्रक्रिया भी जारी है। छांगुर उर्फ जिंदा पीर ऊर्फ जलालुद्दीन को जिन्होंने कपड़ों की फेरी लगाते, अंगूठी, नग, माला देते देखा होगा उन्होंने सपने में भी उसके वर्तमान रूप की कल्पना नहीं की होगी। ऐसा व्यक्ति, जिसका अपने समाज में भी महत्व नहीं हो, 500 करोड़ से ज्यादा का साम्राज्य खड़ा कर ले , विदेशों में भी उसका नेटवर्क हो जाए, हिंदू लड़कियों - महिलाओं को मुसलमान बनाता रहे और उसके विरुद्ध शिकायत करने वाले की ही शामत आ जाए तो इसके विश्लेषण के लिए शब्द ढूंढने पड़ेंगे। देश - विदेश में मोटा-मोटी तीन दर्जन बैंक खाते, जिनमें लगातार धन आ और निकल रहे हों किसी बड़ी कंपनी की गतिविधियों जैसी है। बलरामपुर का मधुपुर गांव उत्तर प्रदेश एटीएस यानी आतंक विरोधी दस्ता, पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों, आयकर विभाग, ईडी से लेकर मीडिया की गतिविधियों का केंद्र बना है। प्राथमिक सूचना थी कि वह लगभग 1500 हिंदुओं को इस्लाम मजहब में ला चुका है किंतु अब कई गुना ज्यादा संख्या सामने आ सकती है। इस घटना के अभी अनेक पहलू रहस्य में हैं। यह ऐसे काफी प्रश्न उठाता है जिन पर विचार करना आवश्यक है?

उसके बारे में नियमित हैरत में डालने वाली नई जानकारियां सामने आ रहीं हैं जो धरातल पर थीं। गांव में तीन बिघे में बना हुआ 70 कमरे का आलीशान मकान जिसमें सारी आधुनिक सुख - सुविधायें और निर्माण ऐसी कि लोगों को बंद कर कुछ भी कर दिया जाए तो बाहर पता न चले। आठ बुलडोजर को 40 कमरे वाले हिस्से को तोड़ने में तीन दिन लगे। उसकी कहानी पर सहसा विश्वास नहीं होता। उसकी ताबीज़ या नगों से कुछ लोगों को कठिनाइयों से थोड़ी बहुत मुक्ति मिली तो उन्होंने छांगुर को पीर मनाना शुरू किया और उसकी ख्याति बढ़ी। पत्नी को प्रधानी का चुनाव लड़वाया, वह दो बार जीती और क्षेत्र में उसका कद बढ़ा। इसके पीछे भी कितने लोगों का दिमाग था इसकी परतें खुलनी अभी बाकी है। नीतू और नवीन के मुसलमान बनने के दस्तावेज दुबई के हैं। यह कैसे संभव हुआ? वे अनेक बार विदेश गए। दोनों के 19 बार दुबई जाने के रिकॉर्ड हैं जिनमें केवल एक बार साथ गये! अजीब रहस्य है। ईसाई मिशनरियां दलितों व जनजातियों को लक्ष्य बनाकर धर्मांतरण करतीं हैं। उनके पास हर क्षेत्र का जनांकिकीय डाटा है। उसने वहां से डाटा हासिल किया और उत्तर प्रदेश के अलावा 550 से ज्यादा जिलों की पहचान की थी जहां हिंदू युवतियों-महिलाओं को मुस्लिम बनाने का योजनाबद्ध अभियान चलना था। कुछ हजार को उतारा भी था। सोचिए, कितनी बारीकी से वह भारत के इस्लामीकरण पर काम कर रहा था और हिंदू या गैर मुस्लिम बहुसंख्य समाज में उसका बाल तक बांका नहीं हुआ। उसके अकेले के दिमाग की बात नहीं हो सकती। क्या यह आपको नए सिरे से ऐसे तत्वों के मुकाबले के लिए भूमिका तैयार करने की चेतावनी नहीं है?

हिंदू जाति व्यवस्था का ताना देने वाले ध्यान रखें कि बड़ी संख्या में ब्राह्मण और राजपूतों की लड़कियों ने छांगुर तंत्र के प्रभाव- दबाव में इस्लाम कबूल किया है। नीतू वोरा और नवीन वोरा ही नसरीन और जमालुद्दीन कैसे बन गए? इनके मामले में जाति पहलू नहीं है। मुंबई में व्यापार करने वाले दोनों पति-पत्नी कठिनाई में संपर्क में आए। वह मुंबई जाने पर उन्हीं के यहां ठहरने लगा। इन दोनों ने तय कर लिया कि गांव में उसके साथ ही रहना है और इसलिए संपत्ति बेची। छांगुर की हिंदुओं के इस्लामीकरण की कल्पना को साकार करने के लिए जिंदगी लगा दी। घर के साथ शहर की जमीन, दुकानें भी नीतू के नाम है। इनके खातों में ही ज्यादा धन आए और निकले। कोई अपने विचार से मजहब बदले यह उसका अधिकार है। किंतु धन, बाहुबल और हर तरीके से जाल में लाकर , विवश कर इस्लामीकरण का यह तंत्र अपराधियों माफियाओं का गिरोह जैसा था।आम लोगों का उसमें फंसकर विवश हो जाना आश्चर्य का विषय नहीं है। शायद छांगुर का भयानक तंत्र कायम रहता यदि चंगुल में फंसी कुछ लड़कियां, महिलायें बाहर नहीं आती। एक घटना में अनाम से संगठन विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने जब लखनऊ में कुछ की हिंदू धर्म में वापसी का हवन किया और मीडिया में बातें आई तब देश के संज्ञान में आया कि छांगुर इन सबके पीछे है।

यह स्थिति डराने के साथ खीझ भी पैदा करती है कि एक व्यक्ति सरेआम हिन्दुओं को मुस्लिम बनाने की इस्लामी कॉर्पोरेट शैली में कंपनी खड़ी कर उत्तर प्रदेश से विदेश तक विस्तारित कर लेता है और पुलिस, प्रशासन, संगठनों, जनप्रतिनिधियों को इतने वर्षों तक पता नहीं चलता। उसने मुख्य मार्ग से अपने किले तक 500 मीटर सड़क बना लिया। 50 कमांडो तैयार किए जो खुलेआम चलते थे। ऐसा संभव नहीं कि लोग पुलिस, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों तक शिकायत लेकर नहीं गये हों। पुलिस प्रशासन में हैसियत ऐसी कि छांगुर का सहयोगी भागकर पुलिस में शिकायत किया, पर उसके विरुद्ध ही धारा 307 के तहत मुकदमा दर्ज हो गया। एक स्थानीय मुस्लिम उसके बारे में पत्र लिखते रहे लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। उसके खातों में विदेश से पैसे आते रहे, उसके लोग असामान्य रूप से विदेश जाते- आते रहे और केंद्रीय एजेंसियों के कान खड़े नहीं हुए। तो इसके अर्थ क्या हैं? प्रदेश के जितने पुलिस प्रशासन के लोगों का नाम आ रहा है वे सब हिंदू हैं। राजस्थान के उदयपुर के स्वर्गीय कन्हैयालाल की शिकायत भी पुलिस ने दर्ज नहीं की और गला काट कर उनकी हत्या हो गई। बिहार में 3 वर्ष पहले पीएफआई के 2047 तक भारत को गजवा ए हिंद बनाने के तंत्र मामले में भी फुलवारी शरीफ के मुस्लिम पुलिस अधिकारी के मोबाइल पर खतरनाक मैसेज आया, पर उसकी शिकायत को फाइलों में बंद कर दिया गया। ऐसा अनेक मामलों में होता है। यह सच है कि केंद्र और अनेक प्रदेशों में भाजपा की सरकारें आने के बाद स्थिति बदली है और आज केंद्र तथा प्रदेश की भाजपा सरकार के कारण ही कार्रवाई संभव हो सकी। दूसरी सरकारों में छांगुर और उसके मजहबी उन्मादी सहयोगी इस्लामीकरण का पूरा माफिया तंत्र कायम कर चुके होते। बावजूद स्वीकारना होगा कि अभी भी मजहबी मतांतरण, लव जेहाद, मजार, मदरसों के नाम जमीन कब्जा करने आदि अनेक मामलों की आरंभिक शिकायत पुलिस प्रशासन गंभीरता से नहीं लेती, प्रायः संगठनों , राजनीति का रवैया भी उत्साहजनक नहीं रहता तथा उनके विरुद्ध काम करने वालों के जीवन में ही संकट पैदा हो जाते हैं।

ट्रेजेडी देखिए, अभी तक भाजपा विरोधी पार्टियों, नेताओं, एक्टिविस्टों मीडिया के पुरोधाओं में से किसी ने इस पर समान्य विरोधी प्रतिक्रिया भी व्यक्त नहीं की है। क्या निर्दोष, निरपराध हिंदू लड़कियों महिलाओं की इज्जत, गरिमा , उनके मानवाधिकार का महत्व नहीं? इसका उत्तर उनसे मांगा जाना चाहिए। ऐसे मामलों में एकमात्र भाजपा ही हिंदुओं के साथ खड़ी दिखती है। बावजूद उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के अंदर ऐसा होना बताता है कि पूरे एप्रोच में आमूल बदलाव की आवश्यकता है। भारत में इस्लामिक कट्टरता का मुख्य आधार उत्तर प्रदेश है। पुलिस प्रशासन का भ्रष्टाचार, अनेक नेताओं की दिशाहीनता तथा कायरता ही इसके पीछे मूल कारण है। मदरसों के सर्वेक्षणों में भी भ्रष्टाचार ने कालिख पोत दिया। मदरसों गैर निबंधित होना सबसे छोटा पहलू था। मुख्य पहलू यह है कि छोटे-छोटे मदरसा चलाने वाले मौलवी भी इतनी विदेश यात्राएं क्यों और कैसे करते हैं, उनके पास सुख - सुविधा कहां से आई? कुछ वर्षों के उनके पासपोर्ट वीजा तथा नामी बेनामी संपत्तियों पर नजर डालने की आवश्यकता थी है। भारत के हिंदुओं या सनातनियों को समझ में आना चाहिए कि चारों तरफ उनके विरुद्ध अलग-अलग तंत्र के रूप में घात लगाए हर अस्तर से शक्तिशाली शिकारियों का झुंड बैठा है। आप चौकन्ने रहकर उनके मुकाबले के लिए तैयार नहीं है तो फिर कोई सरकार या व्यवस्था आपको हिंदू या सनातनी के रूप में बचा नहीं सकती।

समोसे-कचोरी पर वार्निंग का शॉक

कटाक्ष

प्रीतम लखवाल
लेखक व्यंग्यकार है।

यह खबर क्या जगजाहिर हुई कि सभी खद्दड़ लोगों में अफरातफरी मच गई। वे कभी अपने प्रिय नाश्ते की प्लेट को देखते हैं तो कभी प्लेट में रखे समोसे और कचोरी को। गनीमत है कि अभी पोहे पर कुछ संकट नहीं आया है वरना समस्त पोहा प्रेमी सड़क पर आ जाते। दरअसल दो दिन पहले सरकारी सूत्र के हवाले से खबर यह थी कि सिगरेट, पान-तंबाकू, पान मसाला के पैकेट पर छपी वैधानिक चेतावनी की तरह अब समोसे, कचोरी, पिज्जा, पेस्टी, सेंडविच सहित अन्य खाद्य सामग्री पर भी वैधानिक चेतावनी लिखना होगी। जैसे ही यह खबर चाट-चौपाटी, खोमचे वालों, रेस्टोरेंट संचालक और होटल मालिकों तक पहुंची। सभी सन्न रह गए। इन खाद्य सामग्री पर वैधानिक चेतावनी कैसे लिखी जाए। सुबह से लेकर शाम तक नाश्ता ठूंसकर खाने वाले लोगों में भी हड़कंप मच गया। महानगरीय संस्कृति में इन्हीं खाद्य प्रेमियों की वजह से उनकी अर्थ व्यवस्था पटरी पर धड़ल्ले से दौड़ रही है। यहां यह भी देखने में आया है कि सुबह से लेकर शाम तक जहां-जितना बन सकता है, समोसा कचोरी और पोहा आदि खाते हैं और दो हजार रुपए महीना देकर हर रोज जिम में इनको पचाते हैं। जिम वाले से शिकायत भी इस अंदाज में होती है कि इतना वर्कआउट करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा है। सर कार ये भी जानती है कि लगातार खाने वाले लोगों का, नेताओं का वजन बढ़ जाता है। जो जितना वजनी होता है,उसका उतना रुतबा बढ़ता है। हालांकि यहां बेचारे भुक्कड़ों की भूख डब्ल्यूएचओ को नहीं सुहाई और उन्होंने एडवाइजरी जारी कर दी कि लोगों, खासकर युवाओं, महिलाओं और पुरुषों में बढ़ते वजन को नियंत्रित करने के लिए खाद्य सामग्री के लिए भी वैधानिक चेतावनी हो। सरकार ने भी इस एडवाइजरी को फट्ट से मान ली और जल्द ही इसे कानून का जामा पहनाने की घोषणा कर दी। अब समोसा, कचोरी और अन्य फास्ट फूड के कांच के

शोकेस में यह वैधानिक चेतावनी चिपकी होगी कि समोसा कचोरी खाना सेहत के लिए हानिकारक है। इधर, शराबी लोग जश्न मना रहे हैं। उनका कहना है कि शराब और सिगरेट पर चेतावनी देकर हमारी लत की गत बनाने पर तुले थे, लेकिन अब हमें कौन रोकेगा? उधर, कढ़ाई में समोसा, कचोरी, भजिए, बड़ा पाव ने कूदने से मना कर दिया। उनकी डिमांड है कि भई बिना तेल के भी कोई तला है क्या? केवल सरकार ही जानती है कि बिना तेल कैसे तला जाता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सड़क पर गड्ढों का अर्थ व शास्त्र

व्यंग्य

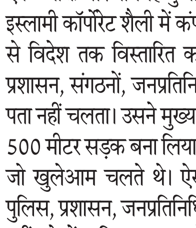

सुरेश उपाध्याय
लेखक व्यंग्यकार हैं।

किसी भी सम/ विषम तल/ स्थल में छेद को गड्ढा कह सकते हैं। इसका आकार, प्रकार, रुप-स्वरुप, लम्बाई, चौडाई, गहराई, व्यास आदि भिन्न भिन्न हो सकते है। गड्ढों को इसका बहुवचन कहते हैं। गड्ढे प्राकृतिक कारणो से स्वतः पड़ सकते हैं, जरुरत पड़ने पर किए जा सकते हैं या काम की गुणवत्ता ऐसी निर्धारित की जाती है कि गड्ढे किए हुए न दिखाई देवे। यह तो हुआ गड्ढो का अर्थ, अब शास्त्र की दृष्टि से विचार करे तो अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र व राजनीति शास्त्र से इनका अपना अपना अंतर्सम्बंध खोजा जा सकता है। कुछ गड्ढों का सौंदर्य शास्त्रीय महत्व भी होता है। सौंदर्य शास्त्रीय गड्ढे प्रकृति प्रदत्त होते हैं तथा किसी के व्यक्तित्व की पहचान भी हो सकते हैं। इनमें भी अर्थशास्त्र व समाजशास्त्र के सूत्र तलाशे जा सकते हैं।

वर्षा ऋतु में गड्ढों के दर्शन व चर्चा अधिक ही होती है। मीडिया व सोशल मीडिया में सचित्र व प्रमुखता से इन्हे स्थान प्राप्त होता है। तेज बौछार, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ीधसान आदि से पड़ने वाले यह गड्ढे एक ओर रोजगार के अवसर पैदा करते हैं तो दूसरी ओर अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करते हैं। इससे सम्बंधित उध्योग, व्यवसाय व सेवाक्षेत्र (ठेकेदारी) के लिए नई सम्भावनाओं की राह बनती है। इससे निर्मित रोजगार की आय श्रमिको की क्रय क्षमता को बढ़ाती है तथा उससे व्यापार/व्यवसाय के अन्य क्षेत्र लाभांवित होते हैं। पुलो के ढहने, फ्लायओवरों के जख्मों, बांधो के टूटने से भी इसी प्रकार का लाभ अर्थव्यव्स्था को होता है तथा जीडीपी (सकल घरेलु उत्पाद) में वृद्धि होती है। वैसे भी निर्माण के लिए विध्वंस को आवश्यक माना गया है। यह जो प्राकृतिक कारणो से माना गया विध्वंस है, एकतरह से तोड़फोड़ में सम्भावित खर्च को बचाता ही है। गड्ढों से होने वाली दुर्घटनाओं से स्वास्थ्य व स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र के व्यवसाय की सीमाओ का विस्तार होता है। इस क्षेत्र की लाभवृद्धि भी अंततः बाजार को खासकर भू-व्यवसाय, वाहन व भौतिक सुख प्रदान करने वाली वस्तुओ के व्यापार को ही समृद्ध करती है। इनसे वाहनो में होने वाली टूटफूट आटोगैरेज संचालकों, वाहन पार्ट्स से जूड़े उद्योग व व्यवसाय के साथ पुराने वाहनों व कबाड़ के व्यवसाय की वृद्धि में सहायक होती है तथा नए वाहनों के उद्योग व व्यवसाय के विस्तार में मदद होती है।

दुर्घटना पीड़ितों की कुशलक्षेम व उनके शीघ्र स्वास्थ्य की कामनाएं संवेदना जगाने के साथ सामाजिकता को विस्तार देती है। यह गड्ढे इंसाफ की डगर की तरह सम्भल सम्भल कर चलने की सीख देते है। इस सीख में गड्ढे में गिरने, कीचड़ में लथपथ होने, चोंट से बचने के साथ अन्य वाहनों द्वारा उछाले गए कीचड़ आदि से अपने कपड़ों को सुरक्षित रखना भी सम्मिलित होता है। वैसे राही कितनी भी सावधानी बरते वाहन चालक की होशियारी के आगे टिक नहीं सकता है। खैर, इसका लाभ भी लांडरी संचालक को मिलता ही है। टूटे पुल के संदर्भ में गूगल पर अंधविश्वास के नतीजों से सभी वाबस्ता हैं तथा अंधविश्वास के विरुद्ध भी एक सीख तो इससे मिलती ही है।

गड्ढों को राजनीति का अस्त्र भी बनाया जा सकता है। कोई सड़क में गड्ढे तो कोई गड्ढे में सडक ढूंढता नजर आता है। इस निमित्त काम की गुणवत्ता, भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी के मुद्दे उठाने का अवसर मिलता है तथा पानी व कीचड़ भरे गड्ढों में बैठकर प्रतिरोध के स्वर मुखर किए जाने के नायाब नुस्खे देखने को मिल सकते हैं। सम्बंधितों पर कार्रवाई, इस्तीफे व निलम्बन की मांग की रस्म अदाइगी देखने का अवसर बनता है। सरकारों को भी जांच कमेटियों / आयोगों को गठित करके ठंडे पानी के छींटे डालने के अवसर मिलते हैं। सेवारत अधिकारियों व कर्मचारियों को अतिरिक्त काम के अवसर मिलते हैं तो कुछ सेवानिवृत को भी अपने अनुभवों का लाभ समाज को प्रदान करने का अवसर मिलता है।

गड्ढे में गिरे को निकालने का जोखिम उठाने के बजाए उसका वीडियो बनाना, सोशल मिडिया पर अपलोड करना तथा वायरल करने का आव्हान व अनुरोध जो सुख प्रदान करता है, उसका वर्णन सम्भव नहीं है। लोगों की भीड़ देख चैनल के संवाददाता व कैमरामेन उत्साहवर्धन करते हैं। संवाददाता के प्रश्न 'आप गड्ढे में कैसे गिरे?' पर व्यक्ति का जवाब 'मुझे बाहर निकालों तब एकबार फिर से गिर के दिखाऊंगा' तथा 'गड्ढे में गिरकर, आप कैसा महसूस कर रहे हैं' के जवाब में 'आप गिरकर देख लो', वातावरण के तनाव को दूर कर देता है।

मंडेला डे

डॉ.चित्रा माली
स्वतंत्र टिप्पणीकार और शोध अध्येता

नेल्सन मंडेला : दक्षिण अफ्रीका के गांधी

एपार्थाइड शब्द का अर्थ है पार्थक्य या अलहदापन जो दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले डच मूल के श्वेत नागरिकों की भाषा अफ्रीकांस का शब्द है। इस शब्द का इस्तेमाल 1948 के बाद से रंगभेदी संदर्भों में किया जाने लगा। जब दक्षिण अफ्रीका में हुए चुनावों में वहां की नेशनल पार्टी ने जीत हासिल की और प्रधानमंत्री डी.एफ.मलन के नेतृत्व में अश्वेतों के खिलाफ और श्वेतों के पक्ष में रंगभेदी नीतियों को कानूनी और संस्थागत जामा पहना दिया गया था। मलन द्वारा चुनाव के दौरान दिये गए नारे ने ही एपार्थाइड को रंगभेदी अर्थ प्रदान किया। हेनरिक वरवोर्ड ने रंगभेद के दार्शनिक और वैचारिक पक्षों के सूत्रीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद रंगभेद अगली आधी सदी तक दक्षिण अफ्रीका के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन पर छाया रहा।

रंगभेद ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को भी प्रभावित किया। दक्षिण अफ्रीका के संदर्भ में नस्ली भेदभाव का इतिहास बहुत पुराना है। इसकी शुरुआत डच उपनिवेशवादियों के द्वारा कैप टाउन को अपने रिफ्रेशमेंट स्टेशन के रूप में स्थापित करने से मानी जाती है। हालांकि रंगभेदी कानून 1948 में बना पर अफ्रीका की गोरी सरकारें कालों के खिलाफ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाना जारी रखे हुए थीं। दक्षिण अफ्रीका की कुल आबादी के तीन-चौथाई अश्वेत थे, और अर्थव्यवस्था उन्हीं के श्रम पर आधारित थी लेकिन सारी सुविधाएं चंद श्वेत श्रमिकों को मिलती थीं। सत्तर फीसदी जमीन भी श्वेतों के लिए सुरक्षित रखी गई थी। दक्षिण अफ्रीका में हीरे और सोने के भंडार की जानकारी ने उन्नीसवीं सदी में भेदभाव का नया रूप ग्रहण कर लिया। ब्रिटिश और डच उपनिवेशवादियों को यह समझ आ गया कि दक्षिण अफ्रीका की सोने और हीरे की खानों पर उनका नियंत्रण कितना आवश्यक है। सामाजिक और आर्थिक संघर्ष की व्याख्या आर्थिक पहलुओं की रोशनी में की जाने लगी। 1911 तक ब्रिटिश उपनिवेशवाद दक्षिण अफ्रीका में पूरी तरह पराजित हो गया था लेकिन अश्वेतों को कोई इंसाफ नहीं मिला।

1912 में साउथ अफ्रीकन यूनियन के गठन की प्रतिक्रिया में अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (एएनसी) की स्थापना हुई जिसका उद्देश्य उदारतावाद,बहुसांस्कृतिकता और अहिंसा के मूल्यों के आधार पर अश्वेतों की मुक्ति का संघर्ष चलना था। मध्यमवर्गीय पढ़े-लिखे अश्वेतों के हाथ में इस संगठन की बागडोर थी। एएनसी ने 1943 में अपनी युवा शाखा बनाई जिसका नेतृत्व नेल्सन मंडेला और ओलिवल टाम्बो को मिला। यूथ लीग ने रैडिकल जन-कार्रवाई का कार्यक्रम लेते हुए वामपंथी रुख अख्तियार किया। नब्बे के दशक में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस और नेल्सन मंडेला के नेतृत्व में बहुसंख्यक अश्वेतों का लोकतांत्रिक शासन स्थापित होने के साथ ही रंगभेद का अंत हो गया था। रंगभेद के आधार पर होने वाले भेदभाव को अफ्रीकी जमीन से खत्म करने वाले नेल्सन मंडेला के संघर्षपूर्ण जीवन और कभी न हार मानने वाले साहस की पूरी दुनिया कायल है। नेल्सन मंडेला का जन्म 18 जुलाई 1918 में दक्षिण अफ्रीका के केप प्रोविंस के उमटाटा जिले के मेविजों गाँव में हुआ था। शाही परिवार में जन्मे नेल्सन मंडेला अगर चाहते तो आजीवन विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकते थे, लेकिन उन्होंने अपने लोगों के लिए उनके गरिमापूर्ण जीवन और सम्मान के लिए संघर्ष भरे रास्ते को चुना जिसके एवज में उन्होंने अपने जीवन के 27 वर्ष जेल में बिताए। इस दौरान कई बार दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने उन्हें अकेले रिहा करने की बात की,लेकिन मंडेला ने उनके इस तरह के प्रस्तावों को कभी नहीं माना। उनका मानना था कि मेरे अकेले की आजादी से क्या होगा? जब मेरे देशवासी एक तरह की जेल में हो तो अकेले मेरी आजादी का क्या मतलब है? आज उन्हें हम इसी प्रतिबद्धता, धैर्य, साहस और संघर्ष के कारण जानते मानते हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 18 जुलाई 2009 में नेल्सन मंडेला के 90वें जन्मदिन को अंतरराष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस या 'मंडेला डे' के रूप में मनाने की घोषणा की थी। 18 जुलाई 2010 को पहला 'मंडेला डे' मनाया गया और आज 15वां 'मंडेला डे' है। नेल्सन मंडेला अपने परिवार के ऐसे पहले व्यक्ति है,जिन्होंने शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने अफ्रीका में अश्वेतों के लिए हेल्डटॉउन में बनाए गए विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई की, इसी दौरान उन्होंने माओ,चे ग्वेरा आदि क्रांतिकारियों के विचारों और जीवन का अध्ययन किया। लेकिन क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रियता के चलते उन्हें विश्वविद्यालय से निकाल दिया गया था। 1942 में अश्वेतों के अधिकारों के लिए लड़ने वाली अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस को मंडेला ने जॉइन किया। यह पार्टी अहिंसात्मक रास्ते पर चलती रही लेकिन समय के साथ इसकी रणनीतियों में बदलाव किए गए। नेल्सन मंडेला ने कहा था कि मैंने भी गांधीवादी रणनीति का अनुपालन वहां तक किया जहां तक संभव था, लेकिन हमारे संघर्ष में एक बिंदु वह भी आया जब अत्याचारी की निर्मम शक्ति का मुकाबला सिर्फ और सिर्फ अहिंसक प्रतिरोध के जरिए नहीं किया जा सकता था। तब हमने 'उन्खोंतो वे सिज्वे' का गठन किया और अपने संघर्ष के साथ एक सैन्य आयाम को भी जोड़ा। इसके बावजूद अपनी सैन्य कार्यवाही को हमने तोड़फोड़ तक ही सीमित रखा क्योंकि इसमें लोगों की जान नहीं जाती थी और भविष्य में नस्लीय संबंधों में कुछ आशा बनाए रखने का यही अकेला रास्ता था। अश्वेतों के अधिकारों के लिए विश्व की सबसे लंबी लड़ाई 'एपरथीड आंदोलन' के लिए मंडेला अफ्रीकी महाद्वीप के अनेक देशों के नेताओं से संपर्क के लिए महायात्रा के लिए वे जांबिया,तंजानिया,ट्यूनीशिया, अलजीरिया, मोरक्को, सेनेगल, लाइबेरिया आदि जगहों पर गए। वे इन सभी देशों से अपने आंदोलन के लिए समर्थन हासिल कर रहे थे। मंडेला ने मिस्र की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति नासिर द्वारा उठाए गए अनेक क्रांतिकारी कदमों का अध्ययन किया,उनका मानना था कि ज्ञान बढ़ाने के प्रयास लगातार करते रहना चाहिए,जहां भी कुछ नया सीखने को मिले उसे ग्रहण करते रहना चाहिए। मंडेला यह जानते थे कि जो संघर्ष वे कर रहे हैं वह आसान नहीं है। लेकिन उनका खुद पर यकीन ही था जो अश्वेतों के लिए बेहतर कल के सपनों को देख रहा था,साथ ही इस सपने को साकार होते भी देखा।

13 जून 1964 में रॉबिन आइसलैंड में राष्ट्रद्रोह के आरोप में नेल्सन मंडेला को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसी दौरान उनकी माँ और बेटे की मृत्यु भी हुई लेकिन उन्हें अंतिम दर्शन के लिए जेल से रिहा नहीं किया गया। नेल्सन मंडेला अपनी आत्मकथा 'लांग वाक टू फ्रीडम' में लिखते है कि वह पूर्ण व्यक्ति नहीं रहे,अन्य लोगों की तरह उनमें भी कई सारी खामियां हैं और वही खामियां हमें आगे बढ़ने के लिए लगातार प्रेरित करती रहती है। यदि हम अपने प्रति ईमानदार है तो डर और संदेह को जीत सकते हैं। मैंने यह जाना है कि डर का ना होना साहस नहीं है, बल्कि डर पर विजय पाना साहस है। बहादुर वह नहीं है जो भयभीत नहीं होता, बल्कि वह है जो इस भय को परास्त करता है। 11 फरवरी 1990 में मंडेला को 27 वर्षों बाद सशर्त रिहा किया गया। रंगभेद के इस लंबे संघर्ष ने अश्वेतों को समानता का अधिकार दिलाया। मंडेला कहते हैं कि अमेरिका में रंगभेद का इतिहास पुराना है लेकिन 'जब तक हम भूतकाल को भुलायेंगे नहीं, तब तक उज्जवल भविष्य का निर्माण संभव नहीं है', कई बार दूसरों को माफ करना पड़ता है और खुद को चुनौती देनी पड़ती है। 10 मई 1994 को नेल्सन मंडेला ने पहले अश्वेत राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह में नेल्सन मंडेला ने दो गोरे सिपाहियों को भी मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था जिन्होंने जेल में उन्हें यातनाएं दी थी। गोरे सिपाहियों को आमंत्रित करने का मकसद बस इतना था कि वे इन दोनों सिपाहियों के मार्फत उन सभी गोरों को क्षमा कर रहे थे जिन्होंने अश्वेतों पर अत्याचार किए थे। उनका कहना था कि हमें आगे बढ़ने के लिए कड़वी यादों को मिटाना होगा। 1994 से 1999 तक के अपने पूरे कार्यकाल के दौरान नेल्सन मंडेला के नस्लवाद विरोधी कार्यों के लिए पूरे विश्व में उन्हें सराहा गया। नेल्सन मंडेला ने कहा था कि दक्षिण अफ्रीका में नया लोकतंत्र हमने अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से और इसी सोच को बुनियाद पर हासिल किया है, भले ही गांधी से हम सीधे प्रभावित रहे हों या न रहे हों। अहिंसक प्रतिरोधों और कम से कम जन क्षति की धारणा मंडेला को गांधी के नजदीक ले जाती है और साथ ही लोगों को क्षमा कर भविष्य की चिंता करना कहीं न कहीं गांधी के हृदय परिवर्तन के विचार से मेल खाता है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि वे गांधी के विचारों से जाने अनजाने प्रभावित थे। नेल्सन मंडेला का मानना था कि गांधी दक्षिण अफ्रीका के भी हैं। भारत गांधी को जन्म देने वाला देश है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका वह देश है जिसे उन्होंने स्वयं अंगीकार किया था। वे भारत और दक्षिण अफ्रीका, दोनों ही देशों के नागरिक थे और दोनों ही औपनिवेशिक क्षेत्रों के लिए उन्होंने स्वतंत्रता के आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की है और संघर्ष किया। नेल्सन मंडेला ने पूरे विश्व की भुखमरी और खासकर तीसरी दुनिया के देशों की भुखमरी की समस्या और विकास को गति प्रदान करने के लिए गांधी जी के आत्मनिर्भरता के बुनियादी आर्थिक सिद्धांतों के अनुसरण की बात की,जिसमें उन्होंने बताया कि मानव स्वभाव के निजी स्वार्थों और कृत्रिम आवश्यकताओं से प्रेरित एडम स्मिथ की धारणा को गांधी किस तरह से खारिज करते है और अहिंसक अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए स्वावलंबन का सिद्धांत पेश करते हैं जो अंतिम व्यक्ति तक के उत्थान का सिद्धांत है। इसका अनुसरण अगर किया जाए तो विदेशी तैयार माल और विदेशी बाजारों की लगातार निर्भरता को कम किया जा सकता है। जिससे घरेलू उत्पादन और घरेलू श्रम व कौशल को प्रोत्साहन मिलेगा जो देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहायक होगा और विकास के रास्ते खुलेंगे। साथ ही विदेशी कर्जे से भी मुक्ति मिलेगी।

दक्षिण अफ्रीका वह देश है जिसने मोहनदास करमचंद गांधी को 'महात्मा' बनाया और इस बात का उसे नाज है और होना भी चाहिए। नस्लभेद,रंगभेद,और गैर बराबरी की व्यवस्था से गांधी का सीधा मुकाबला पहली ही दक्षिण अफ्रीका की यात्रा में हो गया था। जिसके लिए गांधी ने अहिंसक प्रतिरोध के रास्ते को अख्तियार किया,जो कि व्यक्तिगत स्वार्थ से परे सामूहिक मान, सम्मान और गरिमापूर्ण जीवन के लिए आवश्यक था। अपने जीवनकाल में गांधी का प्रभाव या कहें अहिंसक प्रतिरोध या सत्याग्रह का प्रभाव भारत और उनकी पहली कर्म भूमि दक्षिण अफ्रीका तक सीमित था। लेकिन देह त्याग के बाद अगर देखा जाए तो गांधी सच्चे अर्थों में वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था व मूल्यों पर आधारित आंदोलनों को प्रेरणा देने का काम करते रहे हैं और जैसे जैसे अहिंसा की समझ विकसित हो रही है पूरा विश्व गांधी की अहिंसक प्रविधि को मान रहा है और उसका अनुसरण भी कर रहा है। इसके उदाहरण के रूप में दक्षिण अफ्रीका के नस्लभेदी संघर्ष को भी देखा जा सकता है जो गैर बराबरी,शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ चलाया गया और इस संघर्ष में उन्होंने विजय भी प्राप्त की इसके अतिरिक्त और भी कई संघर्षों में गांधी की अहिंसक प्रविधि को देखा जा सकता है। वैश्विक पटल पर भारत को गांधी के नाम से जाना जाता है गांधी के अहिंसक प्रयोगों से जाना जाता है। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी की गांधी को,गांधी के आदर्शों को जानने समझने और मानने वाले लोग भारत से अधिक अन्य देशों में है। नेल्सन मंडेला को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है जिसमें सबसे प्रतिष्ठित नोबल पुरस्कार से 1993 में सम्मानित किया गया था। इसके अतिरिक्त भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' भी खान अब्दुल गफ्फार खान के बाद नेल्सन मंडेला को 1990 में प्रदान किया गया था। वे दूसरे गैर भारतीय नागरिक थे, जिन्हें इस सम्मान से नवाजा गया । ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा आदि देशों ने भी उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा है। इसी के साथ जुलाई 2004 में दक्षिण अफ्रीका के सर्वोच्च सम्मान 'फ्रीडम ऑफ द सिटी' से उन्हें नवाजा गया है। दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला को प्यार से 'मदीबा' कहकर संबोधित किया जाता है, यह बुजुर्गों के लिए सम्मान सूचक शब्द है। 2008 में गांधी शांति पुरस्कार से भी नवाजा गया है। 600 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान व पुरुस्कारों से नेल्सन मंडेला को नवाजा जा चुका है।

2004 के बाद खराब स्वास्थ्य के चलते नेल्सन मंडेला ने राजनीति से संन्यास ले लिया था लेकिन मंडेला ने दक्षिण अफ्रीका के साथ साथ पूरे विश्व में रंगभेद और नस्लभेद के खिलाफ एक अलख जगाई जिससे वे पूरी दुनिया के लिए समानता और स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में जाने जाने लगे। आज अगर विश्व में रंगभेद और नस्लभेद का विरोध हो रहा है और इसे मानवता के विरुद्ध माना जा रहा है या इसके आधार पर कोई हिंसा की जाती है तो नागरिक प्रतिरोध के स्वर नेल्सन मंडेला के एपार्थाइड संघर्ष से ही ऊर्जा पाते हैं।

ओडिशा यात्रा

गौरव अवस्थी

घेंस : ऐतिहासिक अतीत, साहित्य संपन्न वर्तमान

कृष्णा विकास संस्थान-बरगढ़ के सभागार में हलधर नाग नेशनल सेमिनार के दूसरे एवं अंतिम दिवस के समापन के बाद कवि जी (लोक कविरत्न पद्मश्री हलधर नाग) के जन्मगांव घेंस (बरगढ़) जाने का कार्यक्रम तय हुआ। माली जी (हलधर नाग के लोक साहित्य के हिंदी के अनुवादक साहित्यकार) ने सूचना दी- समापन होते ही शाम 5 बजे हम लोग चल देंगे लेकिन समापन होते-होते बज गए सात..। अपनी गाड़ी में माली जी अपनी सवारी के साथ और भिन्न-भिन्न प्रांतों से आए विद्वानो के साथ हम एक इनोवा गाड़ी में। मार्गदर्शन के लिए आईआईएम संबलपुर के प्रोफेसर सुजीत पुरसेठ आगे की सीट में। गाड़ी हाईवे पर पहुंचते ही वे बोले- 'ओडिशा में रास्ते आपको इसी तरह चकाचक मिलेंगे हाईवे हो या गांव के लिंक रोड। ओडिशा का यह बदलाव अहम हैं।' वे इस इलाके का प्रथम स्वाधीनता संग्राम से लेकर स्वाधीनता आंदोलन में योगदान की कामेंट्री करते चल रहे थे ताकि हम सब इस इलाके विशेष के इतिहास-भूगोल, साहित्य-संस्कृति और परंपरा रास्ता चलते-चलते जान सके। वीर सुरेंद्र साय से लेकर शहीद माधो सिंह बरिहा तक! उस पानीमोरा गांव के बारे में भी, जिसके सभी पुरुष सदस्य भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में जेल की सलाखों के पीछे डाल दिए गए थे। कोसल/संबलपुर क्षेत्र के खुलते इतिहास के पन्ने यात्रा का रोमांच शहीदों के प्रति श्रद्धा बढ़ाते जा रहे थे। और हां, हर साल बरगढ़ जिला मुख्यालय पर दिसंबर में होने वाली 'धनु यात्रा' के संबंध में भी, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा 'ओपन थिएटर' कहा-माना जाता है।

घेंस के वीर माधो सिंह और उनके चार बेटों की शहादत के इतिहास ने सिख धर्म के दसवें गुरु गोविंद सिंह और उनके परिवार के बलिदान की बरबस याद दिला दी। स्वाधीनता संग्राम में ऐसे उदाहरण आमतौर पर नहीं मिलते। प्रथम स्वाधीनता संग्राम के ही हमारे अपने रायबरेली के अमर बलिदानी राना बेनी माधव सिंह की भी। रायबरेली के राना बेनी माधव सिंह ने भी जान कुर्बान कर दी पर झुकना कुबूल नहीं किया। दोनों शहीदों के नाम में साम्यता ने हमें इस एहसास से और भी भर दिया कि शंकरपुर हो या घेंस, हम एक हैं। हमारे रणबाकुरो के सपने समान और हम लोगों के मन में सम्मान भी समान।

पुरी-संबलपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर करीब 20 किलोमीटर दूर ओडिशा-छत्तीसगढ़ की सीमा पर ओडिशा के अंतिम नगर/कस्बा सोहिला के घेंस मोड़ के 'गांधी चौक' पर गाड़ी रुक गई। यहीं से ऐतिहासिक अतीत से गर्विले साहित्यिक रूप से संपन्न वर्तमान तक जुड़े 'घेंस' गांव का रास्ता मुड़ता है। छोटे से इस कस्बे के इस चौक पर गांधी जी के साथ 11 वैसी ही आकर्षक मूर्तियां हैं, जैसी देश की राजधानी नई दिल्ली के लुटियन जोन में आप देखते हैं। यह मूर्तियां चौक की खूबसूरती को बया तो कर ही रहीं थीं साथ ही अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान भाव का प्रकटीकरण भी। मूर्तियां और मूर्तिस्थल का रखरखाव स्थानीय प्रशासन और नागरिकों की सजगता का जीता-जागता प्रमाण। कुछ यात्रियों की चाय की तलब और खाने की इच्छा हम सबको खींच ले गई साहू टी स्टाल..। चाय समोसा तो उत्तर भारत वाला लेकिन बड़ा और पनीली चटनी शुद्ध क्षेत्रीय स्वाद लिए। कुछ ने भरपेट खाया और कुछ ने नाम का। समापन हुआ स्वाद से भरपूर मिठाई विशेष- छैनापोड़ा से। नागपुर से आई डॉ पूनम मिश्रा मैम ने तो घर के लिए बंधवा भी ली। यह सब करते हुए बज चुके थे रात के नौ।

आज का अंतिम पड़ाव घेंस था। गाड़ियों के पहिए इस दिशा में दौड़ने शुरू हो चुके थे। इतिहास रोमांच पैदा कर ही चुका था। थोड़ी ही देर में हम सब घेंस गांव में दाखिल हो गए क्योंकि यह रास्ता भी डिवाइडर रोड वाला ही था। गांव में प्रवेश करते ही गाड़ियां रुकी। बाएं हाथ पर शहीद माधो सिंह का स्मारक और वीर स्तंभ। शहीद कुंजल सिंह क्लब ने 1993 में यह स्मारक बनवाया और तत्कालीन मुख्यमंत्री बीजू पटनायक ने उद्घाटन। स्थान छोटा पर शहादत बड़ी। 72 साल के विद्रोही वीर आदिवासी जमींदार शहीद माधो सिंह बरिहा को अंग्रेजी फौज ने 31 दिसंबर 1857 को संबलपुर जेल चौक पर सरेआम फांसी पर लटका दिया। स्मारक पर माथा टेक कर ही दिल श्रद्धा से भर गया। मोबाइल टोर्च की रोशनी में वीर माधो सिंह की तलवार के साथ सुशोभित आदमकद प्रतिमा को हम निहारते ही रह गए। स्तंभ पर ओडिया भाषा में लिखे शिलालेख का अर्थ बताया-इस ऐतिहासिक गांव आने की योजना और क्रियान्वयन को अंतिम रूप देने वाले श्रीमान अशोक कुमार पुजाहरी ने।

स्मारक परिसर में ही उन लाल जोगेंद्र सिंह बरिहा की आवक्ष प्रतिमा भी स्थापित है, जो घेंस के अंतिम जमींदार थे। देश आजाद होने के बाद उन्होंने अपनी सारी संपत्ति सरकार को दान में दे दी। करीब 6000 की आबादी वाले घेंस गांव में खुले अस्पताल और सरकारी स्कूल सब दान की जमीनों पर ही बने हैं। हालांकि दान में दी गई जमीन पर बने स्कूल का नामकरण वीर माधो सिंह के नाम पर किए जाने की उनकी इच्छा आज भी अधूरी है। ओडिशा सरकार इस बलिदान दिवस को 'वीरता दिवस' के रूप में मनाती जरूर है लेकिन बलिदान के अनुरूप स्मारक न स्मृति! यह शहीद परिवार सरकारी सम्मान का हकदार था, है और रहेगा। राज्य की भाजपा सरकार को वीरवार माधो सिंह की स्मृति को सुरक्षित-संरक्षित करने की ओर ध्यान देना ही होगा।

स्मारक दर्शन के बाद हम सब पहुंचे शहीद माधो सिंह के किलेनुमा कोठी में। इस किले में उनके वंशज रंजीत सिंह और उनकी पत्नी राजकुमारी सिंह आज भी निवास कर रहे हैं। इस कोठी की खास मरम्मत और देखरेख ओडिशा सरकार ने साल 2015-16 में अतीत की यादों को सुरक्षित रखने के लिए ही कराई थी। शहीद माधो सिंह के वंशज ने भी पूर्वजों की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए बड़े से बरामदे को फोटो गैलरी में तब्दील कर रखा है। इस फोटो गैलरी के बीचोबीच शहीद की बड़ी फोटो सभी को आकर्षित करती है। किले के एक पूजा जैसे स्थान कक्ष में शहीद माधो सिंह द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में इस्तेमाल किए गए अस्त्र-शस्त्र और बंदूके सुरक्षित रखी हैं। एक बंदूक की तो केवल नली थी। नली इतनी भारी कि हममें से कोई भी थोड़ी देर तक उसका बोझ सहन न कर पाए। इनको चलाना और निरंतर दुश्मनों से लड़ना कितना दुश्वार होगा? यह आप इस नली को हाथ में लेकर ही समझ सकते हैं, ऐसे नहीं! किला परिसर में स्थित शिव मंदिर की पूजा का जिम्मा संभालने वाले पंडित अश्विनी महापात्र ने अस्त्र-शस्त्र के बारे में विस्तार से सभी को जानकारियां दी। अशोक पुजाहरी ने विस्तार दिया-'शहीद माधो सिंह को फांसी के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी ने घेस गांव को जला दिया। यहां के तालाब को 'पुड़ीवन' कहा जाता है। कोसली भाषा में पुड़ी का अर्थ है जला हुआ और वन का तालाब। यानी 'जला हुआ तालाब'। देशज भाषा का यह शब्द ही अंग्रेज सैनिकों के हम सब के पूर्वजों के साथ 'पिशाची कृत्य' बताने को काफी है। बाद में बगल की जमीन पर घेंस की नई बस्ती बसी। आज यही गांव आबाद है।

इतिहास में दर्ज है, शहीद माधो सिंह घेस-बिंझाल के जमींदार थे। उन्हें अपने पिता से जमींदारी में 20 गांव मिले थे। मुगलों को परास्त कर भारत को अपने चंगुल में लेने वाले अंग्रेजों को कई गुना अधिक राजस्व वसूल कर देने से इनकार करने वाले शहीद माधो सिंह ने अपने जीवित रहते ब्रिटिश हुकूमत के कई बार छक्के छुड़ाए। हजारीबाग जेल तोड़कर फरार हुए वीर सुरेंद्र साय की सुरक्षा के लिए शहीद माधो सिंह ने छत्तीसगढ़ सीमा पर सिंघोड़ा घाट के दर्रे पर डेरा जमाकर अंग्रेजी फौज को संबलपुर पहुंचने न देने के लिए जान की बाजी लगा दी। अंग्रेज़ अफ़सर कैप्टन वुड ब्रिज, कैप्टन वुड और शेक्सपियर ने दर्रे को पार करने की कोशिश की लेकिन माधो सिंह ने कैप्टन शेक्सपियर को पराजित कर दिया। माधो सिंह के नेतृत्व में विद्रोही सेना के साथ लड़ाई में कैप्टन वुड ब्रिज भी मारे गए। दस महीने बाद, एन्सिंग वार्लो नाम के एक और अंग्रेज़ कैप्टन ने अपने आदमियों के साथ सिंघोड़ा घाट की ओर कूच किया लेकिन ईस्ट इंडिया कंपनी और अंग्रेज़ सैनिकों की सिर कटी और नग्न लाशों के साथ ही कैप्टन वुड ब्रिज का शव दर्रे पर पेड़ों से लटका देखकर दंग रह गए। फ़ॉस्टर नाम के अंग्रेज़ सेना के एक मेजर ने बदला लेने के लिए घेस एस्टेट के पहले से ही खाली पड़े गाँवों को जला दिया। दर्रे पर अपने कब्ज़े के दौरान माधो सिंह ज़्यादातर समय तक अंग्रेज़ों की गिरफ़्त से दूर रहे। 72 वर्ष की आयु में जंगलों में महीनों तक लड़ते-लड़ते थक जाने के कारण आराम के लिए मटियाभाटा गाँव जाने की कोशिश के दौरान गद्दारों की सूचना की वजह से मेजर फ़ॉस्टर की कमान में अंग्रेज़ सेना ने उन्हें पकड़ लिया और संबलपुर के जेल चौक पर फाँसी दे दी।

अंग्रेजों के खिलाफ छापमार लड़ाई में उनकी शहादत के पहले ही उनके एक बेटे ऐरी सिंह (उदय सिंह) शहीद हो चुके थे। ऐरी सिंगोरा दर्रे के विद्रोहियों को रसद पहुँचाने के प्रभारी थे और वीर सुरेन्द्र साय के साथ संचार माध्यम के रूप में काम करते थे। विद्रोही समूहों के कुछ गद्दारों ने साहेबा डेरा में तैनात अंग्रेज़ सैनिकों के एक समूह को ऐरी के ठिकाने के बारे में बता दिया। सिंगोरा दर्रे के पास मौके पर पहुंचे सैनिकों को कोई नहीं मिला लेकिन लौटते समय गद्दारों ने ऐरी के वफादार कुत्ते की पहचान की जो अचानक एक खाई से बाहर चला आया था। ऐरी के गड्ढे में छिपे होने का यकीन करते हुए गद्दारों ने उसमें सूखे पत्ते और लकड़ी भर कर उसे एक बड़े पत्थर से ढक कर आग लगा दी। जिसके परिणामस्वरूप ऐरी सिंह अपने ठिकाने के अंदर दम घुटने से शहीद हो गए। माधो सिंह की मृत्यु के बाद उनके तीन जीवित पुत्र हटी सिंह, कुंजल सिंह और बैरी सिंह ने अंग्रेजों से लड़ाई जारी रखी। अंग्रेज सेना ने कुंजल सिंह को गिरफ्तार करके फांसी पर लटका दिया। बैरी सिंह जिंदा रहने तक जेल में रहे। बीमारी की वजह से उनकी जेल में ही मृत्यु हुई। तीसरे हटी सिंह ने आत्मसमर्पण कर दिया। हुकूमत ने उन्हें अंडमान निकोबार में कालापानी की सजा दी। तब सेल्यूलर जेल बनी भी नहीं थी। कहा जाता है कि वहीं जेल में उनकी भी मृत्यु हुई।

ऐतिहासिक अतीत से रूबरू होने के बाद हम पहुंचे पद्मश्री हलधर नाग (कवि जी) के जन्मस्थान। यह स्थान ही गांव की वर्तमान चर्चित पहचान है। 31 मार्च 1950 को जन्मे पद्मश्री हलधर नाग का लोक साहित्य दुनिया के तमाम देशों में शोध का विषय है।यात्री दलों के सभी सदस्यों के लिए कोसल प्रदेश के घेंस गांव की यात्रा एक यादगार है। इस मायने में भी कि, यात्रा के आयोजक-प्रायोजक अशोक कुमार पुजाहरी जी के घर के सहन में स्थित भव्य-दिव्य मंदिर में जगन्नाथ स्वामी की प्रतिमा के दर्शन का भी सौभाग्य भी बिना पुरी जाए प्राप्त हुआ और घर के सदस्यों से मिलने का सुयोग भी। बाकी देश और दुनिया के लिए पुरी के जगन्नाथ स्वामी ही है लेकिन ओडिशा के गांव गांव में जगन्नाथ मंदिर स्थापित है। हर गांव में जगन्नाथ रथ यात्रा अपने के समय से निकलती और रूकती है। घेंस गांव में भी दो दिन पहले जगन्नाथ यात्रा निकल चुकी थी और सजाधजा रथ शहीद माधो सिंह की कोठी के बाहर प्रकाशमान था।

लोकहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई भी बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी : श्री उईके

धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान और पेसा एक्ट का पूरी गंभीरता से करें क्रियान्वयन

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हर वर्ग के कल्याण और विकास की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा हैं। ताकि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशहाली और समृद्धि आए। केंद्र और राज्य शासन द्वारा संचालित लोक हितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई भी बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह बात केंद्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य एवं सांसद दुर्गादास उईके ने गुरुवार को कलेक्टर सभागार में आयोजित दिशा की बैठक में कहीं। उन्होंने जल जीवन मिशन, स्कूलों के निर्माण, सड़क़ निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों में गुणवत्ता विहीन काम करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा जिले के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद मोहन नागर, जिला योजना समिति के सदस्य सुधाकर पवार, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, विधायक महेंद्र सिंह चौहान, विधायक चंद्रशेखर देशमुख, विधायक घोड़ाडोंगरी गंगाबाई उईके, नपाध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर, उपाध्यक्ष जिला पंचायत हंसराज धुर्वे सहित कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, वन मंडल अधिकारी नवीन गर्ग, वन मंडल अधिकारी वरुण यादव, वन मंडल अधिकारी टीआर विजयंतम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन सहित सभी जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य उपस्थित रहें।

निजी अस्पतालों को पैनल्ड किया जाये– केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुष्मान योजना की समीक्षा कर निर्देश दिए कि जिले में आयुष्मान योजना में और अधिक निजी अस्पतालों को पैनल्ड किया जाएं। आयुष्मान योजना के हितग्राहियों को राशि का भुगतान समय पर हो। योजना में अनियमितता करने वाले वाले निजी अस्पतालों के विरुद्ध जांच दल गठित कर कार्यवाही की जाएं। उन्होंने विशेष जोर देते हुए कहा कि जिले के दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में प्रसव सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएं। ताकि गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को परेशान न होना पड़े। उन्होंने वर्ष 2024 में लाभान्वित हितग्राहियों, प्रसव सुविधा केंद्रों का संचालन, जननी सुरक्षा योजना की राशि का अंतरण की जानकारी भी ली। बैठक में बताया गया कि 70 प्लस आयु के आयुष्मान कार्ड बनाने में जिला प्रदेश में अग्रणी जिलों में शामिल हैं।

जिले को खाद की रैक लगातार हो रही प्राप्त – जिले में खाद की मांग, आवंटन और वितरण की समीक्षा कर केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने कहा कि जिले में खाद की रैक लगातार प्राप्त हो रही हैं। खाद का सुचारू और सुव्यवस्थित वितरण कराएं। ताकि किसानों को कोई परेशानी न हों। जिले में मक्का और धान का रकबा पिछले वर्षों की तुलना में काफी बढ़ा। इसी अनुरूप खाद की मांग प्रस्तावित की जाएं। केंद्रीय मंत्री ने फसल बीमा कवरेज की भी जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा कर केंद्रीय मंत्री ने पेयजल स्त्रोतों के गुणवत्ता की जांच, सभी स्कूलों और आंगनवाड़ियों में पेयजल आपूर्ति, पेयजल संकट से प्रभावित ग्रामों के चिन्हांकन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जिले के महाराष्ट्र सीमा से लगे जनजातीय ग्रामों में बच्चे पानी की गुणवत्ता खराब होने के कारण फ्लोरोसिस की समस्या से प्रभावित हो रहे हैं। इसका समाधान किया जाएं।

जलजीवन मिशन में लापरवाही बर्दास्त नहीं : प्रभारी मंत्री– प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जल जीवन मिशन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसा करने वाले ठेकेदारों को टर्मिनेट किया जाएं। उनकी राशि वसूल करने के साथ उनकी एफ आई आर भी कराएं। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में ब्लॉक स्तरीय अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेज की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही हैं। जिससे आगामी समय में पर्याप्त चिकित्सकों और मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता होगी। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को जिले के मुलताई और भीमपुर में चिकित्सकों, रेडियोलॉजिस्ट की कमी की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नैनो यूरिया के महत्व के प्रति किसानों को जागरूक करें। नैनो यूरिया के उपयोग से हुए अच्छे उत्पादन के आदर्श उदाहरणों को किसानों को सामने लाएं।

विधायकों ने भी बताई अपने क्षेत्रों की समस्याएं – विधायक श्री देशमुख ने ठेकेदार द्वारा नल जल योजनाओं के निर्माण के दौरान सडक़ खुदाई करने और समय पर सडक़ मरम्मत नहीं करने के समस्या बताई। जिस पर केंद्रीय मंत्री और प्रभारी मंत्री ने ऐसे ठेकेदारों के विरुद्ध कार्यवाही करने और सडक़ की मरमत कराने के निर्देश दिए। विधायक भैंसदेही श्री चौहान ने बिसौली पंचायत के ग्राम मरीढाना और सतारा में काफी समय से खराब ट्रांसफार्मर नहीं बदले गए हैं। जिस पर महाप्रबंधक एमपीईबी को समस्या का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगा बाई उईके ने कुंडी टोल प्लाजा संबंधी समस्या, छात्रावासों में प्रवेश, शाहपुर और भौंरा मार्ग पर रोशनी की व्यवस्था न होने इत्यादि मुद्दों को बताया। जिसका निराकरण करने के निर्देश एन एच के अधिकारियों को दिए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पवार ने कहा कि रैन वाटर हार्वेस्टिंग के बिना मकानों को नगर पालिका द्वारा अनुमति नहीं दी जाएं। उन्होंने आयुष्मान योजना में मुलताई के निजी अस्पताल द्वारा अनियमितता करने की जानकारी दी, जिस पर जांच दल गठित कर अस्पताल संचालक के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से संसदीय क्षेत्र के कार्यो को लेकर केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने की मुलाकात

धार। गुरुवार को दिल्ली में केंद्रीय महिला और बाल विकास राज्यमंत्री एवं धार महू लोकसभा क्षेत्र सांसद सावित्री ठाकुर ने संसदीय क्षेत्र धार में डाकघरों के निर्माण और मोबाइल टावर स्थापना के लिए केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की। श्रीमती ठाकुर ने बताया कि विगत दिनों लोकसभा क्षेत्रवासियो ने नये मोबाइल टावर स्थापना का मांग पत्र दिया था ।

ग्रामीणों ने बताया कि हमारे कुछ गांवों में मोबाईल नेटवर्क नहीं मिलता है जिससे हम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। हमारा उद्देश्य है कि ज़िले के दूरदराज़ क्षेत्रों तक बेहतर डाक और संचार सुविधाएँ पहुँचें, जिससे जनता को तेज़, सरल और भरोसेमंद सेवाएँ मिल सकें। जानकारी देते हुए संजय शर्मा ने बताया कि इस दौरान क्षेत्रीय विकास, महिला सशक्तिकरण तथा जनकल्याण से जुड़े विविध विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

उत्कृष्ट विद्यालय धार में विश्व कौशल दिवस का आयोजन

धार। उत्कृष्ट विद्यालय धार में 15 जुलाई को विश्व कौशल दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था की प्राचार्य अमिता बाजपेयी के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शिक्षकों ने भी कार्यक्रम में महती भूमिका निभायी।इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किए। योगेश्वरी परमार, दिशा ठाकुर, हिमेश परमार, हर्षिता शर्मा, निवेदिता द्विवेदी, आर्या शर्मा, तपस्या भाटी एवं यतीन्द्र ठाकुर ने कौशल उन्नयन हेतु अपनी बात रखी।

ओमप्रकाश दयासर इस अवसर पर जिला वोकेशनल कोऑर्डिनेटर विष्णु रघुवंशी ने बच्चों को सम्बोधित किया। व्यवसायिक कंप्यूटर शिक्षक प्रिया बारोड, यशवंत चौहान , सुरक्षा ट्रेनर राजेश खडीकर एवं ओमप्रकाश दया सर ने बच्चों का कौशल विकास हेतु मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर एवं राष्ट्रीय ओज कवि यशवंत चौहान ने अपना धाराप्रवाह व्याख्यान दिया एवं उपस्थित छात्र-छात्राओं को अभिप्रेरित किया। संचालन सुरक्षा ट्रेनर व्यावसायिक शिक्षा सुरक्षा विषय भूतपूर्व सैनिक राजेश खडीकर द्वारा किया गया ।

संदीप सोलंकी बने संत गाडगे बाबा समिति महासंघ के जिला मीडिया प्रभारी

बैतूल। संत गाडगे बाबा समिति महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष श्याम सेवतकर ने प्रदेश संगठन प्रभारी अशोक कुमार बाथरे की अनुशंसा और वरिष्ठ समाज बंधुओं सी. गाडगे (राजू), रामप्रसाद बाथरी, वासुदेव सेवतकर, दिलीप सौदागर, राजेश व अनिल तायवाडे की सहमति पर संदीप सोलंकी को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री सेवतकर ने बताया कि महासंघ का उद्देश्य संत गाडगे महाराज के विचारों को जनमानस तक पहुंचाना और समाज बंधुओं को एकजुट करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्री सोलंकी अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी और निष्ठा से निभाएंगे। अपनी नियुक्ति पर संदीप सोलंकी ने कहा कि वे निष्पक्ष रूप से कार्य करते हुए समाज बंधुओं को जोडऩे और संगठन को मजबूत करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। संदीप सोलंकी को जिला मीडिया प्रभारी बनने पर तिरुपति ऐरुल, कलमकार तरुडकर, अनिल तिडके, मनोज कनौजिया सिसोदिया सहित अनेक समाजजनों ने बधाई दी।

पुलिस ने डाकघर में धोखाधड़ी व गबन के आरोपी उपडाकपाल को किया गिरफ्तार

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने डाकघर में धोखाधड़ी व गबन के आरोपी उपडाकपाल को गिरफ्तार किया है। कोतवाली में 26 अक्टूबर 2023 को राजेन्द्र पवार पिता गणेश प्रसाद पवार (55 वर्ष) निवासी शास्त्री वार्ड, सदर बैतूल ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि माधुरी गावंडे पति योगेश गावंडे, उम्र 35 वर्ष, निवासी भग्गूढाना, गंज बैतूल, योगेश गावंडे पिता सीताराम गावंडे, उम्र 39 वर्ष, निवासी भग्गूढाना, गंज बैतूल और अनिल कुमार पांसे तीनों द्वारा फरियादी एवं अन्य खाताधारकों के साथ मिलकर डाकघर के बचत खातों व आरडी खातों से लगभग 5,69,000 की धोखाधड़ी एवं गबन किया गया।

बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराएं, सड़क सुरक्षा की दृष्टिगत संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त रोशनी रहे

सड़क सुरक्षा को लेकर जिलास्तरीय बैठक संपन्न

बैतूल। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गुरुवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री दुर्गादास उईके और जिले के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में सड़क सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा, पिछली बैठकों के अनुपालन प्रतिवेदन और आगामी एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में राहवीर योजना, हिट एंड रन मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति योजना 2022 और कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम 2025 पर विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि राहवीर योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 'गोल्डन आवर' यानी दुर्घटना के एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुँचाने वाले को रू. 25,000 की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसी प्रकार हिट एंड रन दुर्घटना में मृतकों के परिजन को रू. 2 लाख और गंभीर घायलों को रू. 50,000 की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। वहीं कैशलेस ट्रीटमेंट योजना 2025 के अंतर्गत सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को आयुष्मान योजना से संबद्ध अस्पतालों में रू. 1.5 लाख तक का निःशुल्क उपचार मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री श्री उईके और प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ये सभी योजनाएं आमजन की जीवन रक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वर्तमान में इनकी जानकारी जनसामान्य में सीमित है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सभी सड़क निर्माण एजेंसियों को योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, मार्गों और टोल प्लाजा पर होर्डिंग्स लगाने के निर्देश दिए। बैठक में जिले के ब्लैक स्पॉट्स पर चर्चा करते हुए कार्यपालन यंत्री श्रीमती प्रीति पटेल ने बताया कि बैतूल जिले के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर 5 स्थानों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है, जिनमें से 3 स्थानों पर सुधार कार्य पूर्ण हो चुके हैं। पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल झारिया ने सुझाव दिया कि जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रों के संवेदनशील स्थलों की जानकारी स्थानीय थानों में दें ताकि समय रहते सुधार कार्य किए जा सकें।

बरेठा घाट पर बारिश से बने गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराएं– एनएच को निर्देशित किया गया कि वे बरेठा घाट पर बारिश से बने गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराएं। इसके अलावा शाहपुर और भोरा के प्रमुख जोड़ पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सड़कों पर मवेशियों के बैठने की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए वैकल्पिक उपाय किए जाएं। एनएच अधिकारियों ने बताया कि 1033 टोल फ्री नंबर पर दुर्घटना की स्थिति में एम्बुलेंस एवं क्रेन सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसका वृहद प्रचार प्रसार आवश्यक हैं। इस बैठक में जिला योजना समिति के सदसों के अलावा केंद्रीय मंत्री और प्रभारी मंत्री के साथ विधायकगण, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कार्यकारिणी एवं आजीवन सदस्यों के सम्मेलन का आयोजन

समाज की प्रतिभाओं तथा विशिष्ट अतिथियों का सम्मान समारोह

बैतूल। आगामी 27 जुलाई को वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश की बैतूल जिला कार्यकारणी एवं आजीवन सदस्यों का सम्मेलन विजय भवन, नगर पंचायत शाहपुर में आयोजित किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में जिले भर के आजीवन सदस्य व समस्त वैश्य घटक शामिल होगें। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिले के वैश्य समाज की ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाना है, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर समाज, जिले तथा राज्य का गौरव बढाया है। उक्त कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष व अन्य अतिथिगण सम्मिलित होगें। सम्मान हेतु निम्नलिखित क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि रखने वाले समाज बंधुओं के विवरण आमंत्रित किए जाते हैं। शिक्षा (दसवी/ बारहवी कक्षा में उच्च अंक प्राप्त किया हो) चिकित्सा, विधि एवं न्याय, प्रशासनिक सेवा, उद्यमिता एवं व्यापार , कला, संगीत, साहित्य एवं संस्कृति, खेल, समाजसेवा, विज्ञान एवं तकनीक अन्य विशिष्ट क्षेत्रों में योगदान दिया हो। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील वृहद वैश्य समाज से की गई है। अपीलकर्ताओं में प्रदेश महामंत्री राजीव खंडेलवाल, संरक्षक बिरदीचंद पगारिया, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य तपन मोनू खंडेलवाल, जिला प्रभारी आशीष अग्रवाल, जिला अध्यक्ष अखिलेश गोठी, जिला उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल, महिला जिला अध्यक्ष अमिता गुप्ता, जिला महामंत्रीगण हेमंत पगारिया, संजय अग्रवाल पाथाखेड़ा, रेखा शिवहरे तहसील अध्यक्ष देवेन्द्र जैन मुलताई, चिचोली नगर परिषद अध्यक्ष वर्षा मालवीय, उपाध्यक्ष वर्षा आवलेकर, तहसील अध्यक्ष जितेन्द्र सूर्यवंशी, प्रभारी आशीष सोनी, रितेश मालवीय, शाहपुर तहसील अध्यक्ष विक्की नायक, प्रभारी अखिलेश जैन, भौंरा के संजय खंडेलवाल, आमला तहसील अध्यक्ष संजय साहू आदि शामिल है।

बैतूल जिले को लॉ कॉलेज संचालन की मिली अनुमति

प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी चौबे ने केंद्रीय मंत्री, प्रभारी मंत्री व जनप्रतिनिधियों का जताया आभार

बैतूल। बैतूल जिले को विधि (लॉ) कॉलेज प्रारंभ करने की अनुमति प्राप्त हो गई है। नोडल प्राचार्य डॉ मीनाक्षी चौबे ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री दुर्गादास उईके, प्रदेश के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल एवं क्षेत्र के सभी विधायकगणों का आभार प्रकट किया गया है। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी चौबे ने बताया कि इस वर्ष लॉ कॉलेज में 60 सीटों पर प्रवेश की व्यवस्था की गई है। प्रारंभिक चरण में कक्षाओं का संचालन जे एच कॉलेज परिसर स्थित विवेकानंद सभागार में किया जाएगा। लॉ कॉलेज के लिए 9 करोड 36 लाख की लगता से नवीन भवन सोनाघाटी में प्रगतिरत है। प्राचार्य डॉ चौबे ने कहा कि यह अनुमति न केवल संस्थान के लिए गर्व की बात है, बल्कि क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए भी एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगी। लॉ कॉलेज के शुभारंभ से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नया आयाम जुड़ेगा तथा स्थानीय छात्र-छात्राओं को कम कीमत पर विधि शिक्षा के लिए अब अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। डॉ. चौबे ने इस उपलब्धि के लिए सभी जनप्रतिनिधियों, शासन-प्रशासन और शैक्षणिक परिवार के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

पहले अतिथि शिक्षकों को एंड्राइड मोबाइल दें, फिर ई अटेंडेंस लागू करें

बैतूल/मुलताई। आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार मुलताई को ज्ञापन सौंपकर अनिवार्य ई अटेंडेंस पर विरोध जताया है। अतिथि शिक्षकों ने अपने ज्ञापन में कहा है कि 80 प्रतिशत अतिथि शिक्षकों के पास एंड्रॉयड फोन नहीं है और उनकी आर्थिक स्थिति 20000 का एंड्रॉयड फोन खरीदने की भी नहीं है। शासन पहले उन्हें एंड्राइड मोबाइल खरीद कर दे। इसके बाद शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षकों से अनिवार्यतः ई अटेंडेंस लागू करें। अतिथि शिक्षक संघ द्वारा सौपे गए इस ज्ञापन में कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षकों से अनिवार्यतः ई अटेंडेंस लगवाने हेतु आदेश जारी किया गया है, जो अतिथि शिक्षकों के साथ अन्याय है। ई अटेंडेंस लगवाने से पूर्व हमारी समस्याओं का निराकरण किया जाये, अतिथि शिक्षकों को प्रतिमाह निश्चित तिथि में मानदेय प्रदान किया जाये। शिक्षकों को मेडिकल / प्रसव/मातृत्व/पितृत्व/आकस्मिक समस्त प्रकार के अवकाशो की सुविधा प्रदान किया जाये। यह है कि जिन ग्रामीण अंचलों में नेटवर्क सुविधा उपलब्ध नहीं है। सर्वप्रथम उन ग्रामीण अंचलों में नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध करायी जाये। शिक्षकों का सर्वप्रथम वार्षिक अनुबंध भविष्य सुरक्षित किया जाये। सर्वप्रथम नियमित कर्मचारियों की भांति अतिथि शिक्षकों को समस्त प्रकार की शासकीय सुविधाओं का लाभप्रदान जाये। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने कहा है कि अतिथि शिक्षक की अटेंडेंस को लेकर मानसिक रूप से परेशान है पहले हमारी उक्त समस्याओं का समाधान करें अन्यथा उक्त आदेश को वापस लिया जाए। ज्ञापन सौपने वालो मे संघ सचिव प्रकाश साहू, सुनीता कापसे, ममता काडु, सोमराज नीरापूरे, दिव्या डोहरे, अंजलि पाटनकर, रोशनी देशमुख, मीना गावंडे ,देवेंद्र बनखेड़े, नारायण सावरकर आदि प्रमुख है।

धार में पहली बार आयोजित जिला ओपन स्कूल पिकलबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

बतौर अतिथि धार जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष पंडित छोटू शास्त्री, साई के सेंटर इंचार्ज नवीन भावसार की गरिमामयी उपस्थिति

धार। धार जिले में पहली बार आयोजित जिला ओपन स्कूल पिकलबॉल टूर्नामेंट 2025 का भव्य शुभारंभ 17 जुलाई को सी.के. चंदेल स्कूल परिसर में हुआ। इस टूर्नामेंट में जिले के 13 स्कूलों के खिलाड़ी भाग ले रहे है। टूर्नामेंट में 13 विभिन्न श्रेणियों में मुकाबले खेले जा रहे है। प्रतियोगिता में बालक व बालिकाओं के सिंगल्स, डबल्स व मिक्स डबल्स इवेंट्स में अंडर-12, अंडर-14 और अंडर-18 आयु वर्ग के मुकाबले होंगे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धार जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष पं. छोटू शास्त्री , नवीन भावसार (सेंटर इंचार्ज, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया), आशा सेंगर डायरेक्टर, सी.के. चंदेल स्कूल, आशा जैन, प्राचार्य, सी.के. चंदेल स्कूल और उमंग अग्रवाल स्पोर्ट्स आफिसर, पी.जी. कॉलेज, धार की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि पंडित छोटू शास्त्री ने आयोजन को सराहते हुए कहा कि धार जिला पिकलबॉल एसोसिएशन का स्कूल स्तर पर यह प्रयास पिकलबॉल खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। अतिथियों ने धार पिकलबॉल एसोसिएशन द्वारा विद्यालय स्तर पर इस प्रकार का आयोजन करने के लिए सराहना की और खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर धार पिकलबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्ज्वल सिंह, सचिव हितेश देवनानी, उपाध्यक्ष दिनेश मिश्रा , कोषाध्यक्ष लक्षित जोशी सहित एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। टूर्नामेंट के आयोजन से पहले निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किया गया था, जिसमें विद्यार्थियों को पिकलबॉल की बारीकियां सिखाई गईं। इस शिविर को सफल बनाने में कोच जयंती सोलंकी व शुभी व्यास का विशेष योगदान रहा।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत कोलगांव स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों ने हाथों में तख्तियां लेकर निकाली रैली, पुलिस अधिकारियों ने बताए नशे के दुष्परिणाम

बैतूल/कोलगांव। युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से रोकने और समाज में नशा विरोधी वातावरण बनाने के उद्देश्य से मप्र पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत गुरुवार को हायर सेकेंडरी स्कूल कोलगांव में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नशा विरोधी रैली से हुई, जिसमें छात्रों ने हाथों में जागरूकता से भरी तख्तियां लेकर नगर की सडक़ों पर मार्च किया। नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो, युवाओं का उज्ज्वल भविष्य नशे से नहीं, शिक्षा से बनेगा जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। कार्यक्रम में बैतूल बाजार थाना प्रभारी अंजना धुर्वे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा सिर्फ व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। अगर आपके आसपास कोई नशा करता है, तो उसे समझाएं और मदद करें। एएसआई रमन सिंह ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हर साल नशे के कारण हजारों युवा अपनी जिंदगी गंवा देते हैं। स्कूल जीवन में पढ़ाई पर ध्यान दें और बुरी आदतों से दूर रहें। इस अवसर पर प्राचार्य भोजराज पोटफोड, लिपिक राजेंद्र चौरेवार, शिक्षक कमलेश लोहारी सहित विद्यालय स्टाफ एवं सभी विद्यार्थी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण

विदिशा (निप्र)। समर्थन मूल्य पर मूंग उपार्जन कार्य जिले में आठ अगस्त तक जारी रहेगा। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने उपार्जन केन्द्रो पर किसी भी प्रकार की ठगी के शिकार ना हो किसानबंधु इसके लिए विशेष प्रबंध सुनिश्चित कराए गए है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने मूंग उपार्जन के लिए निर्धारित एफएक्यू पैरामीटरो के अनुसार समर्थन मूल्य पर क्रय किया जाए। पंजीकृत किसानो को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो इसके लिए हरेक उपार्जन केन्द्र के लिए एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने राजस्व अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि अपने अपने कार्य क्षेत्रो के मूंग उपार्जन केन्द्रो का औचक निरीक्षण स्वंय करें। अधीनस्थ तहसीलदारो से कराना सुनिश्चित करेंगे। इसी कडी के तहत शमशाबाद के मूंग उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण क्षेत्र के तहसीलदार डॉ दर्शनलाल नेगी ने औचक निरीक्षण किया और उपार्जन केन्द्रो पर संपादित किए जा रहे कार्यो की जानकारियां प्राप्त की है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्र में चिन्हित जीर्ण-शीर्ण भवनों को हटाने की कार्रवाई सतत जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में नगर पालिका परिषद इटारसी द्वारा नगर क्षेत्र में चिन्हित जीर्ण-शीर्ण भवनों को डिस्मेंटल करने की कार्रवाई निरंतर जारी है। जिससे नगरीय क्षेत्रों में दुर्घटनाओं की संभावनाओं को रोका जा सके। इसी क्रम में नगरीय क्षेत्र इटारसी स्थित सिंधी प्राथमिक शाला के जर्जर भवन को तोड़ा गया तथा अन्य चिन्हित जीर्ण-शीर्ण भवनों को भी नियमानुसार हटाया गया। संपूर्ण कार्रवाई नगर पालिका परिषद इटारसी के अमले द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में की गई। कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय अधिकारी इटारसी श्री टी. प्रतिक राव, तहसीलदार श्री शक्ति तोमर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी इटारसी रितु मेहरा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा गत दिवस अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जिले में स्थित जर्जर भवनों में जीर्ण-शीर्ण घोषित किये गये भवनों का चिन्हांकन कर समयबद्ध कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो।

विदिशा विधायक ने कालापाठा स्थित होमगार्ड लाइन में किया पौधारोपण

विदिशा (निप्र)। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत कालापाठा स्थित होमगार्ड लाइन परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधे जैसे सागौन, नीम, आंवला, शीशम, अमरूद,जामुन, कटहल रोपे तथा सभी उपस्थितों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन होमगार्ड विभाग द्वारा किया गया था, जिसमें होमगार्ड के अधिकारियों, जवानों तथा आपदा मित्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विधायक श्री टंडन ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने इस पहल को जनआंदोलन बनाने का आह्वान भी किया। होमगार्ड डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री मयंक कुमार जैन ने बताया कि विभाग द्वारा नियमित रूप से पर्यावरणीय गतिविधियों का आयोजन किया जाता है , और परिसर को हरित बनाए रखने का संकल्प लिया गया है।

वर्तमान परिपेक्ष्य में युद्ध का बदलता स्वरूप

सामयिक

डॉ. अंशुल उपाध्याय

लेखिका फॉर्मर यू.जी.सी. पोस्ट डॉक्ट्रेट फैलो, रक्षा एवं स्ट्रेटजिक अध्ययन विभाग हैं।

वर्तमान में विश्व के कई देशो के मध्य युद्ध का वातावरण व्याप्त है। एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच जो युद्ध हुआ वह पिछले दो सालों से चल ही रहा था की दूसरी तरफ ईरान और इजराइल का युद्ध भी सीज़ फायर के बाद भी चालू है। इसी बीच पाकिस्तान के द्वारा भारत के पहलगांव (कश्मीर) पर हमला किया गया जिसके बाद भारत ने भी हवाई हमले के द्वारा पाकिस्तान को जबाव दिया और भारत व पाकिस्तान के बीच की तनातनी और बढ़ गई। अब विश्व में जो परिस्थितियों उत्पन्न हो रही हैं,उनके चलते यह कहना बिल्कुल भी अनुचित नहीं होगा कि परमाणु अस्त्रों से संपन्न राष्ट्र अगर इस तरह युद्ध के मैदान में कूदते हैं तो परिणाम भयंकर हो सकते हैं।

युद्ध के मायने आखिर क्या हैं?

युद्ध एक ऐसा सशस्त्र संघर्ष है जो दो या दो से अधिक समूहों के बीच होता है। युद्ध दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक है। परन्तु युद्ध कभी भी सिर्फ हाथों में हथियार ले लेने से ही शुरू नहीं हो जाता। युद्ध का जन्म किसी व्यक्ति विशेष के एक विचार से होता है। कई दफ़ह ये विचार संपूर्ण राष्ट्र पर हावी हो जाते है। तो कई दफ़ह जमीन की लालच, आत्म सुरक्षा का भय, तो कई दफ़ह अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी भयंकर युद्धों की वजह बनता है।

आधुनिक युद्ध और भारत का बदलता स्वरूप

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संपूर्ण विश्व वायु सेवा की शक्ति से बखूबी परिचित हो गया था । इसके बाद 1948 में भारत को जब स्वतंत्रता की प्राप्ति हई तो उसके तुरंत बाद ही पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया और भारत को उसे जवाब देने के साथ ही युद्ध में उतरना पड़ा। इस तरह से पाकिस्तान के साथ भारत ने चार युद्ध लड़े जिसमे पहला 1948 में, दूसरा 1965 में तीसरा 1971 मे और चौथा जो कि कारगिल युद्ध हआ था 1998 में लड़ा गया इसी के साथ भारत और चीन के बीच भी 1962 में युद्ध लड़ा गया था।

ईरान-इजराइल युद्ध और वर्तमान परिपेक्ष्य

ईरान के अब तक का युद्ध इतिहास खून खराबे से भरा हुआ है। गाजा पट्टी का युद्ध हो या खाड़ी युद्ध, युद्धों ने इन दोनों देशों के मध्य तनाव वृद्धि ही की है।

अब 2024 में इजरायल-ईरान के मध्य का ये शीत युद्ध सीधे संघर्ष में ही बदल गया। और 1 अप्रैल को, इजरायल ने दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर बमबारी की, जिसमें कई वरिष्ठ ईरानी अधिकारी मारे गए। इस हमले के जवाब में, ईरान और उसके प्रतिनिधियों ने 13 अप्रैल को इजराइल के अंदर हमले शुरू कर दिए। ईरान और इजराइल के बीच 1979 से कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं और आधुनिक संबंध शत्रुतापूर्ण हैं। शीत युद्ध के अधिकांश समय में ये संबंध सौहार्द्रपूर्ण थे, लेकिन ईरानी क्रांति के बाद ये और भी खराब हो गए और 1991 में खाड़ी युद्ध की समाप्ति के बाद से ये खुले तौर पर शत्रुतापूर्ण हो गए हैं। इन्हें ईरान - इज़राइल प्रॉक्सी संघर्ष, या ईरान-इज़राइल शीत युद्ध के रूप में भी जाना जाता है। ईरान में जो शिया समुदाय का हुआ विकास इसके बाद इस्लामी खिलाफत का भी विस्तार हुआ। ख़लीफ़ा उमर के शासन में इस्लाम का प्रसार और क्षेत्रीय विस्तार लगातार हुआ। इस्लामी एकता और धर्म के नाम पर लड़ाई होती रहीं। कालांतर में फारसी संस्कृति को फॉलो करने वालों ने इस्लाम को आत्मसात करना शुरू कर दिया। इसका लाभ यह हुआ कि फ़ारसी भाषा, साहित्य और प्रशासन को इस्लामी काल में नया जीवन मिला। इस तरह ईरान में शिया इस्लाम का विकास धीरे-धीरे हुआ, जो बाद में इस्लामी दुनिया में विशिष्ट पहचान बना पाया। आज शिया कम्युनिटी पूरी दुनिया में निवास करती है। वर्तमान ईरान और इसके सुप्रीम लीडर खोमेनेई इसी शिया समुदाय के धार्मिक नेता भी हैं।

ईरान और इज़राइल का छद्म युद्ध

ईरान और इज़राइल के बीच चल रहा प्रॉक्सी संघर्ष है। इज़राइली-लेबनानी संघर्ष में, ईरान ने लेबनानी शिया मिलिशिया का समर्थन किया है, विशेष रूप से हिज़्बुल्लाह का। इज़राइली-फिलिस्तीनी संघर्ष में, ईरान ने हमास जैसे फिलिस्तीनी समूहों का समर्थन किया है। 2024 में प्रॉक्सी संघर्ष दोनों देशों के बीच सीधे टकराव में बदल गया है। और जून 2025 में, ईरान-इज़राइल युद्ध शुरू हुआ, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल के शामिल हो जाने से अंतरिम परिणामों की भयंकरता से संपूर्ण विश्व में अराजकता का माहौल व्याप्त हो गया है।

पूर्व में जब अमेरिका समेत ढेर सारे पश्चिमी देश इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन के साथ ईरान के खिलाफ साये की तरह खड़े थे, वही अमेरिका सद्दाम हुसैन को बंकर से निकालकर मारने से पीछे नहीं हटा। आज जी-7 देश ईरान के खिलाफ खड़े हैं, कोई बड़ी बात नहीं कि कल वे किसी और पाले में खड़े हो जाएंगे । क्यूंकि भले ही सत्ता बदल जाए। यहां न कोई किसी का स्थाई दोस्त है, न ही दुश्मन। सबके अपने हित हैं. अपनी-अपनी सुविधा के अनुसार ही सारे देश चालें चल रहते है।

डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता रथ कर रहा जागरूक

विदिशा (निप्र)।डेंगू की रोकथाम व नियंत्रण के लिए शहरी क्षेत्र विदिशा में चलाए जा रहे डेंगू जागरूकता रथ के द्वारा खरीफाटक, पीतलमील, राघवजी कालोनी, तोपपुरा, मोहनगिरी एवं अरिहंत बिहार कालोनी में भ्रमण कर आम नागरिकों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है तथा मलेरिया टीम के द्वारा 89 घरों में लार्वा सर्वे किया गया जिसमें 05 घरों में लार्वा पाया गया। जिसे कीटनाशक दवा डालकर नष्ट किया गया है। जनसमुदाय से अपील की गई है की वह अपने घर के सभी पानी के कंटेनर, कूलर, फ्रिज, टंकिया, टायर को प्रति सप्ताह जांच ले की एडीज मच्छर के लार्वा तो नही पनप रहे, व खाली कर सफाई कर दें। पानी के बड़े कंटेनर जिनकी सफाई व ढंकना संभव न हो तो उनमें मीठा तेल प्रति सप्ताह डालें। मच्छरों के काटने से स्वयं बचाव करें, पूरे शरीर ढंकने वाले कपड़े पहने, दिन के समय बच्चों व वृद्धों को मच्छरदानी के अंदर सोने की सलाह दी जाए, मॉस्किटो कॉइल का उपयोग करे, शाम के समय नीम पत्तियों का धुआं करे। तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, शरीर पर चकत्ते, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ो में दर्द, नाक व मसूड़ों से रक्तस्राव होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क कर डेंगू की जांच जिला चिकित्सालय विदिशा या अटल बिहारी वाजपेयी मेडीकल कालेज में डेंगू एलिसा टेस्ट निःशुल्क कराए।

जनसुनवाई से हुआ स्कूल में दाखिला

विदिशा (निप्र)। जनसुनवाई कार्यक्रम आमजनो से संबंधित हर स्तर की समस्याओं के समाधान का केन्द्र बिन्दु बना है। दो होनहार बच्चो को एडमिशन कराने में जनसुनवाई की मदद कारगर साबित हुई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में शमशाबाद तहसील के ग्राम वर्धा के आवेदक श्री कैलाश कुशवाह और श्री रघुवीर सिंह प्रजापति ने अपने-अपने बच्चो का एडमिशन वर्धा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा नौवी में प्रवेश हेतु आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदक के साथ दोनो बच्चे नैतिक कुशवाह और जिगर प्रजापति साथ आए हुए थे। दोनो बच्चो की पढाई लिखाई के प्रति जिज्ञासा देखते हुए कलेक्टर ने शिक्षा विभाग की जिला नोडल अधिकारी व संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा को निर्देशित किया कि दोनो बच्चों का शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वर्धा में कक्षा नौवी में दाखिला सुनिश्चित कराएं। दोनो छात्र जिगर प्रजापति और नैतिक कुशवाह के द्वारा एनएमएमएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर नौवी से बारहवीं तक की पढाई के लिए प्रतिमाह एक हजार रूपए की छात्रवृत्ति की पात्रता प्राप्त की हैं। नैतिक के पिता श्री कैलाश कुशवाह ने बताया कि बच्चा पढाई लिखाई में होशियार होने के बावजूद एडमिशन नहीं होने के कारण मानसिक रूप से चितिंत हो रहा था ऐसी स्थिति में हमारी मदद कलेक्टर साहब से मिलने पर हल हो सकती है यहीं सोचकर आज जनसुनवाई कार्यक्रम में आए थे बच्चो का स्कूल में दाखिला हो जाने से पढाई के द्वार खुल गए है और बच्चे शिक्षित हो जाएंगे से घर परिवार और गांव वाले भी लाभांवित होगे।

जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए

कलेक्टर श्री जैन ने बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों के समय-सीमा प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन लंबित प्रकरणों व विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित नकारात्मक खबरों के निराकरण की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय, सुश्री रजनी वर्मा, सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने उर्वरकों उपलब्धता की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसानों को समय पर आवश्यक मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए शासन से अतिरिक्त उर्वरकों की मांग की जाए ताकि जिले में उर्वरकों की कमी न हो। इसके साथ ही जिले में उर्वरकों की उपलब्धता के संबंध में किसानों जानकारी भी दी जाए।

सभी संकुल प्राचार्य सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करें

कलेक्टर श्री जैन ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि सभी संकुल प्राचार्य सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करें। उन्होने निर्देश दिये कि सार्थक एप की रिपोर्ट के आधार पर ही संकुल प्राचार्यो का वेतन आहरित किया जाए। कलेक्टर श्री जैन ने जिला शिक्षा अधिकारी को ग्राम रेसलपुर में संचालित कन्या छात्रावास के लिये शिक्षक उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये। उन्होने ई-केवायसी कार्य की समीक्षा के दौरान सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ई-केवायसी कार्य में गति

लाने के निर्देश दिये। उन्होने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को जिला चिकित्सालय में साफ-सफाई व्यवस्था बनाये रखने के लिये अतिरिक्त डस्ट बिन लगाने के निर्देश भी दिये।

सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का समय सीमा में संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने एसडीएम टिमरनी व खिरकिया को वन विभाग से समन्वय स्थापित कर डिपो के लिये स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिये ताकि समय पर डिपो अन्यत्र स्थान पर शिफ्ट किये जा सकें। कलेक्टर श्री जैन ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होने निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का सतुष्टिपूर्वक निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। उन्होने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि सीएम मॉनिट, मानव अधिकार आयोग, आयुक्त, जनसुनवाई व जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करना सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने महिला बाल विकास के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका की भर्ती प्रक्रिया निर्धारित समय में पूर्ण की जाए। उन्होने निर्देशित किया कि पोषण ट्रेकर एप पर जानकारी दर्ज करने की नियमित रूप से समीक्षा की जाए। उन्होने सभी अधिकारियों को निर्देशित कि अपने अधीनस्थ कार्यालयों के जर्जर भवनों की सूची उपलब्ध कराएं ताकि नियमानुसार कार्यवाही की जा सके।

सड़कों पर गौवंश बैठने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने कलेक्टर ने दिए कड़े निर्देश

पशुपालक एवं ग्रामीण जनों को जागरूक कर किया जाएगा जनहानि व पशुहानि से बचाव

नर्मदापुरम (निप्र)। सड़कों पर गौवंश के बैठे रहने से वाहन दुर्घटनाओं की संभावनाओं एवं गौवंश की मृत्यु को रोके जाने के संबंध में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ, नगर पालिका निगम, समस्त एसडीएम, एनएचएआई, एमपीआरडीसी, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, सभी जनपद पंचायत सीईओ एवं नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पशुपालक एवं ग्रामीण जनों को जागरूक करें कि वे अपने गौवंश को सड़कों पर न

बैठने दें। कलेक्टर ने कहा कि पशुपालकों एवं प्रशासन के समन्वित प्रयास से जनहानि के साथ-साथ पशुहानि को भी प्रभावी रूप से रोका जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जो पशुपालक गौवंश को सड़कों पर विचरण के लिए छोड़ देते हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार जुर्माना एवं वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि मुख्य मार्गों के समीप स्थित ग्राम पंचायतों द्वारा अस्थाई चौकीदारों की व्यवस्था की जाए ताकि निराश्रित पशुओं को सड़क पर बैठने से रोका जा सके एवं समीपस्थ गौशालाओं अथवा अस्थाई आश्रय स्थलों में उन्हें भेजा जा सके। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग को भी गौवंश में रोगों की रोकथाम हेतु टीकाकरण कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी गौशालाओं को सक्रिय रखा जाए तथा उनमें चारे-पानी की समुचित व्यवस्था हो। राजमार्गों एवं सड़कों पर बैठने वाले गौवंश को टोल संचालक अथवा स्थानीय निकायों द्वारा पशुवाहन या हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग व्हीकल अथवा अन्य उचित वाहनों से निकटतम गौशाला तक पहुँचाया जाए। इसके साथ ही राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को सतत रूप से अवगत कराया जाए।

हार्ट की बीमारी से पीड़ित बच्चे का आरबीएसके योजना में निशुल्क ऑपरेशन हुआ

विदिशा (निप्र)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम में जन्मजात हृदय रोग की बीमारी से ग्रसित 11 वर्ष 10 माह के बच्चे तरुण अहिरवार का सफल ऑपरेशन एलएन मेडीकल कालेज एवं जेके हास्पिटल भोपाल में संपन्न हुआ है।

हृदय रोग की बीमारी से पीड़ित बच्चे के उपचार के लिए उनके पिता मोहन गिरी विदिशा निवासी श्री माखनलाल यहां-वहां भटक रहे थे फिर उन्होंने जिला चिकित्सालय में बच्चे की जांच करने के उपरांत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में आरबीएसके योजना तहत बच्चे का निशुल्क ऑपरेशन कराया है, जिससे अब बच्चा पूर्ण रूप से स्वस्थ है परिजनों ने इस योजना अंतर्गत प्रदाय की गई शासकीय सुविधाओं के प्रति साधुवाद भी व्यक्त किया है।

14 अगस्त 2014 को श्री संतोष कुशवाह के घर एक पुत्र का जन्म हुआ तो पूरा परिवार पुत्र को पाकर बहुत खुश था जन्म के बाद कुछ समय गुजर गया बच्चा पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नहीं लग रहा था अनेक बार डाक्टर को दिखाया एवं उपचार भी करवाया लेकिन शारीरिक विकास अपेक्षित रूप से नहीं हो पा रहा था एवं शारीरिक दुर्बलता के रहते अन्य समस्यायें होने लगी थीं। बच्चा खेलते खेलते हांफने लगता था डीईआईसी टीम ने परिवार की कांउसलिंग एवं बच्चे को तुरंत उपचार की आवश्यता थी बच्चे की दादी श्रीमति गिरजा बाई को बच्चे को जिला अस्पताल द्वारा चिन्हित हास्पिटलों में जाकर तुरंत ईको करवाने एवं उपचार निर्धारण हेतु भेजा। परिजन अपनी इच्छा से बच्चे को एलएन मेडीकल कालेज एवं जेके हास्पिटल भोपाल में जांच एवं उपचार हेतु ले गये हास्पिटल में जांच के उपरांत ज्ञात हुआ कि बच्चा हृदय रोग की समस्या से पीडित है सभी तैयारियों के उपरांत 3 जुलाई 2025 को आरबीएसके योजना के अंतर्गत बच्चे का सफल आपरेशन हुआ। आपरेशन के बाद परिवार की खुशी का ठिकाना न रहा आज तरुण अहिरवार का परिवार उपचार से पूर्ण संतुष्ट एवं प्रसन्न है। समस्त उपचार की प्रक्रिया में बच्चे की दादी श्रीमति गिरजा बाई डी.ई.आई.सी. स्टाफ एवं एलएन मेडीकल कालेज एवं जेके हास्पिटल भोपाल स्टाफ की विशेष भूमिका रही। आपरेशन के उपरांत बच्चा पूर्ण रूप से स्वस्थ्य है एवं बच्चे का नियमित फालोअप किया जा रहा है।

धरती आबा अभियान के तहत शिविर लगाकर किया गया 946 हितग्राहियों को लाभान्वित

अभियान के तहत किया गया 11,989 हितग्राहियों को लाभान्वित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति के उद्देश्य से जिले में 15 जून से 15 जुलाई तक धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत सीहोर जिले के चिन्हित 80 गांवों में अब 15 जुलाई तक दिनांकवार शिविर लगाए गए। अभियान के तहत 15 जुलाई को चिन्हित गांवों में शिविर लगाकर 946 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इस अभियान के तहत जिले के कुल 11,989 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा चुका हैं। शिविरों में हितग्राहियों का आयुष्मान भारत योजना, केसीसी योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, मातृवंदना योजना, बाल आर्शीवाद योजना, तेंदूपत्ता संग्रहण एवं बोनस योजना, एकलव्य योजना, दिव्यांग पेंशन प्रोत्साहन योजना, कल्याणी पेंशन योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, विश्वकर्मा योजना, पीएम सूर्यघर योजना, घरेलू कनेक्शन सब्सीडी योजना, पांच रूपये में नवीन विद्युत कनेक्शन योजना, पीएम आवास योजना सहित अनेक योजनाओं के लिए पंजीयन किया जा रहा है और इन योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इसके साथ ही अभियान के तहत सभी पात्र हितग्राहियों का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, ई-केवायसी, जाति प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रोफाइल पंजीयन एवं बैंक खाता खोलना सहित अनेक सेवाओं के लिए पंजीयन भी किया गया।

राज्यपाल पटेल ने न्यायमूर्ति सचदेवा को मुख्य न्यायाधिपति की शपथ दिलाई

न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के 29वें मुख्य न्यायाधिपति बने

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के 29वें मुख्य न्यायाधिपति की शपथ मनोनीत न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा को दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन गुरूवार को राजभवन के सांदीपनि सभागार में किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री पटेल और उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने नव नियुक्त मुख्य न्यायाधिपति श्री सचदेवा को शपथ ग्रहण के बाद पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा न्यायाधीश श्री संजीव सचदेवा को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधिपति नियुक्त किए जाने की अधिसूचना का वाचन किया।

शपथ ग्रहण समारोह में खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंगार, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी, भोपाल नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, लोकायुक्त श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह, मुख्य सूचना आयुक्त श्री विजय यादव, सदस्य मानवाधिकार आयोग श्री राजीव टंडन, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री संजय शुक्ल, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, रजिस्ट्रार जनरल मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय श्री धरमिंदर सिंह, महाधिवक्ता श्री प्रशांत सिंह, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, जिला न्यायालय एवं बार के सदस्य, विभिन्न आयोगों के पदाधिकारी सहित जन प्रतिनिधि एवं शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा को दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के 29वें मुख्य न्यायाधिपति की शपथ लेने पर न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उनका अनुभव, न्याय के प्रति प्रतिबद्धता, दूरदृष्टि और अनुशासन निश्चित ही भारतीय न्याय व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में कहा कि श्री सचदेवा अपने कार्यकाल में संवैधानिक मूल्यों की रक्षा, मौलिक अधिकारों की प्रतिष्ठा और शीघ्र एवं निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करें तथा न्याय एवं संविधान की गरिमा को नई दिशा दें, यही शुभकामनाएं हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में मध्य प्रदेश फिर अव्वल

मध्यप्रदेश अब स्वच्छता में देश का बना अग्रदूत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के सम्मान समारोह में इंदौर को 'सुपर स्वच्छ लीग सिटीज़' श्रेणी में देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में सम्मानित किया जाना प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। उल्लेखनीय है कि विगत 7 वर्षों से स्वच्छ शहरों की श्रेणी में इंदौर ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया था। इंदौर के साथ भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन एवं बुधनी को भी विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छता पुरस्कार प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि पूरा मध्यप्रदेश अब स्वच्छता में देश का अग्रदूत बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस सफलता के लिए प्रदेश के समस्त स्थानीय निकायों के नागरिकों, विशेषकर स्वच्छताकर्मियों, जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार

को स्पेन यात्रा के दूसरे दिन जारी संदेश में यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश ने हमेशा की तरह एक बार फिर टॉप किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सभी राज्यों को स्वच्छता की प्रतिस्पर्धा में शामिल होने का अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता की विभिन्न श्रेणियों में अग्रणी शहरों की एक लीग बनाई गई, जिसमें इंदौर को शीर्ष स्थान मिला। इंदौर स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार-2024 में 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों की नवीन श्रेणी 'स्वच्छ लीग अवार्ड' में सर्वश्रेष्ठ शहर बना है।

धार्मिक नगरी उज्जैन को स्वच्छ लीग अवॉर्ड

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वच्छ लीग अवार्ड में धार्मिक नगरी उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में शीर्ष स्थान मिला है। इसी प्रकार 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बुदनी सर्वश्रेष्ठ शहर बना है। जबकि 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में भोपाल दूसरे, जबलपुर पांचवें और ग्वालियर 14वें स्थान पर रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छता में प्रॉमिसिंग शहर का स्टेट अवॉर्ड ग्वालियर को मिला। पचास हजार से तीन लाख जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में देवास प्रथम स्थान पर रहा। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी पहले ही बन चुका है।

सांदीपनि और आईसीटी लैब वाले विद्यालयों को मिली कौशल विकास पुस्तिका

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में संचालित सांदीपनि और आईसीटी लैब विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को कम्प्यूटर कौशल से जुड़ी जानकारी पर आधारित पुस्तिका स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। यह पुस्तिका कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों के लिये उपयोगी है। इन पुस्तकों का प्रकाशन पाठ्यपुस्तक निगम से कराया गया है। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने विद्यार्थियों के बीच पुस्तिका के वितरण के संबंध में समस्त जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किये है।

अतिथि शिक्षकों को ई-अटेंडेन्स के बाद ही मिलेगा मानदेय- लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षकों को शत प्रतिशत ई-अटेंडेन्स हमारे शिक्षक एप के माध्यम से दर्ज करने के निर्देश जारी किये है। निर्देश में कहा गया है कि यह व्यवस्था 18 जुलाई से प्रदेश में अनिवार्य रूप से लागू होगी। जिन अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति हमारे शिक्षक एप के माध्यम से दर्ज नहीं होगी उनका मानदेय का भुगतान नहीं किया जा सकेगा। इस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किये जाने के लिये जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये है।

विद्यालय में रिक्त पदों के विरूद्ध आवेदकों की री-ज्वॉइनिंग- शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षक आवेदकों की रिक्त पद होने पर री-ज्वॉइनिंग के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समय सारणी जारी की है। समय सारणी के अनुसार आवेदकों को अंतिम अवसर देते हुए आज दिनांक 17 जुलाई गुरूवार तक री-ज्यॉइनिंग करने के निर्देश जारी किये गये है। नियत तिथि के बाद 18 जुलाई 2025 को रिक्त पदों की पुनः समीक्षा की जायेगी। प्रदेश में करीब 60 हजार से अधिक अतिथि शिक्षक शिक्षण कार्य से जुड़े हुए है।

सीवर लाइन खुदाई में मिट्टी धंसी, दो मजदूर दबे

शहडोल में बारिश में चल रहा था काम, लोग बोले- मदद के लिए पुकार रहे थे

शहडोल (नप्र)। शहडोल में सीवर लाइन की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसकने से 2 मजदूर दब गए। उन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू जारी है। बताया जा रहा है कि बारिश के दौरान भी काम जारी रखने की वजह से यह हादसा हुआ है।

घटना गुरुवार दोपहर सोहागपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 1 की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हमने बचाव की कोशिश की, लेकिन लगातार मिट्टी धंसने से उन्हें नहीं निकाल पाए। मृतकों में कोटमा गांव का मुकेश बैगा पिता अकाली बैगा (40) और महिपाल बैगा अंगनू बैगा (33) शामिल है।

लोगों का कहना है कि लगभग 2 घंटे बाद आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। यहां कलेक्टर डॉक्टर केदार सिंह, एसपी रामजी श्रीवास्तव, एसडीएम अरविंद शाह, नगर पालिका सीएमओ अक्षत बुंदेला और नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल मौके पर मौजूद हैं।

मदद के लिए पुकार रहे थे मजदूर

कोनी में वार्ड नंबर 1 में शहडोल नगर पालिका की ओर से सीवर लाइन का काम कराया जा रहा है। यहां रहने वाले मन्नू वर्मा ने बताया कि गुरुवार को यहां बारिश हो रही थी। काम के दौरान अचानक मिट्टी धसक गई। मजदूर मदद के लिए पुकार रहे थे। आवाज सुनकर लोग मदद के लिए दौड़े, लेकिन मिट्टी लगातार धंस रही थी।

पहली बार काम पर आए थे दोनों

दोनों मजदूर गुरुवार को पहली बार काम पर आए थे। ठेका कंपनी के पास मजदूर कम थे, इस कारण दोनों को उनके गांव से बुलाया गया था।

देश का दूसरा सबसे साफ शहर भोपाल

भोपाल (नप्र)। भोपाल को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में देश का दूसरा सबसे साफ शहर घोषित किया गया है। यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में दिया। भोपाल ने इस बार तीन स्थान की छलांग लगाई है और 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की कैटेगरी में दूसरा स्थान हासिल किया है।

पुरस्कार लेने के लिए भोपाल की महापौर मालती राय और निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण बुधवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बताया कि छह साल बाद भोपाल फिर से टॉप-2 में आया है, इसलिए शहर में जश्न भी बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। स्वच्छता मित्रों और नागरिकों के साथ मिलकर लड्डू बांटे जाएंगे और सम्मान का जश्न मनाया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से स्वच्छता पुरस्कार लेते भोपाल की महापौर मालती राय और निगम आयुक्त।

निगम अध्यक्ष ने बजाया ढोल, बारिश में भी थिरके कर्मचारी

स्वच्छ सर्वेक्षण में दूसरा स्थान मिलने पर दिल्ली में मौजूद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, भोपाल मेयर मालती राय, निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण, एमआईसी मेंबर रविंद्र यति, आरके सिंह बघेल एवं अन्य।

पिछली बार पांचवें नंबर पर था भोपाल- पिछले सर्वे में भोपाल 5वें नंबर पर था। कचरे की प्रोसेसिंग में सुधार और डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था को और पुख्ता कर भोपाल ने दावा मजबूत किया है। वहीं, फरवरी में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) की वजह से भी भोपाल को फायदा मिलेगा।

जीआईएस के चलते राजधानी में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के काम शहर में हुए हैं। इसमें स्वच्छता से जुड़े काम भी शामिल थे। इसी दौरान स्वच्छता सर्वेक्षण टीमें भी भोपाल पहुंची थी।छह साल बाद भोपाल फिर टॉप-2 में, राष्ट्रपति से मिला पुरस्कार।

निगम अध्यक्ष ने बांटे लड्डू और बजाया ढोल- भोपाल को देश का दूसरा सबसे साफ शहर बनने पर खुशी का माहौल रहा। नगर निगम के माता मंदिर स्थित दफ्तर में जश्न मनाया गया। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने सफाई मित्रों को माला पहनाकर सम्मान किया और लड्डू खिलाकर बधाई दी। खुशी में सभी लोग ढोल की थाप पर झूमने लगे। अध्यक्ष सूर्यवंशी ने खुद भी ढोल बजाया।

कर्मचारियों ने जश्न मनाया, जमकर थिरके- जोन-16 मीनल रेजिडेंसी में भोपाल को स्वच्छता में देशभर में दूसरी रैंक मिलने की खुशी में कर्मचारियों ने जश्न मनाया। मिठाई बांटी गई, एक-दूसरे को बधाई दी गई और सभी जमकर थिरके।

स्वच्छ सर्वेक्षण में भोपाल का अब तक का सफर

- स्वच्छ सर्वेक्षण में भोपाल ने 2017 और 2018 में लगातार दो साल देश में दूसरी रैंक हासिल की थी।
- 2019 में भोपाल खिसककर 19वें नंबर पर आ गया। उस समय अफसरों के लगातार तबादले के कारण तैयारियों की दिशा ही तय नहीं हो पाई थी।
- 2020 में कम बैक करते हुए 12 पायदान ऊपर खिसका और 7वीं रैंक हासिल की।
- 2021 के सर्वेक्षण में भी भोपाल ने 7वां स्थान हासिल किया था।
- 2022 के सर्वेक्षण में भोपाल की रैंक सुधरी और यह छठवें स्थान पर आ गया। वहीं, भोपाल को 5 स्टार मिले थे।
- 2023 के सर्वेक्षण में पांचवीं रैंकिंग रही थी।

इंदौर के 2 भाई ओंकारेश्वर में नर्मदा में डूबे

हरदा-सतना में कार नदी में बहीं; चित्रकूट में मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में तेज बारिश होने की वजह से मौसम विभाग ने शुक्रवार सुबह तक कई जिलों में बाढ़ के खतरे की आशंका जताई है। पूर्वी हिस्से के छतरपुर, दमोह, कटनी, पन्ना, सागर, सतना और टीकमगढ़ में अचानक बाढ़ आ सकती है। वहीं, पश्चिमी हिस्से के अशोकनगर, दतिया, गुना, ग्वालियर, मुरैना, राजगढ़, श्योपुर, शिवपुरी और विदिशा जिलों में बाढ़ का खतरा है।

पिछले 24 घंटे में सीधी में 3.1 इंच पानी गिर गया। रीवा में 2.2 इंच, नर्मदापुरम में 1.9 इंच, जबलपुर में 1.4 इंच, उमरिया में 1.3 इंच, ग्वालियर में 1.1 इंच और पचमढ़ी में 1 इंच बारिश हो गई। भोपाल में सुबह से कभी तेज, कभी हल्की बारिश हो रही है। यहां आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा है।

मऊगंज : जिले में नदियां उफान पर

मऊगंज जिले की बड़ी नदियों में निहाई नदी, सलार और ओडडा नदी उफान पर हैं।चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा। इसके चलते बाढ़ के हालात दिख रहे हैं।

भोपाल में बोर्ड ऑफिस चौराहे के पास सड़क धंसने से बड़ा गड्ढा हो गया। सड़क के इसी हिस्से के नीचे से सीवेज लाइन गुजर रही है। सतना में शासकीय स्वशासी महाविद्यालय की 17, 18 और 19 जुलाई को होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। डिंडौरी में अतिवर्षा के चलते सरकारी स्कूलों में आज अवकाश रहा। मऊगंज के भी सभी स्कूलों में छुट्टी रही। हरदा की मटकुली नदी में पुलिसकर्मी की कार बह गई। उसने पुलिया पर पानी होने के बावजूद कार निकालने का प्रयास किया था। पुलिसकर्मी ने समय रहते कार से कूदकर जान बचा ली।सतना में रपटे को पार करने की कोशिश में कार तेज बहाव में बह गई। लोगों ने कार सवार युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मऊगंज जिले के नई गढ़ी कस्बे में कई घरों में पानी घुस गया है। लोग जरूरी सामान लेकर सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं। थाना परिसर भी पानी में डूबा हुआ है। चित्रकूट की गुप्त गोदावरी गुफा में तेज बहाव के साथ पानी बह रहा है। पर्यटकों के लिए गुफा को बंद करा दिया गया है। पीथमपुर में तीन मंजिला मकान की निर्माणाधीन दीवार बारिश के कारण गिर गई। हादसे में दो माह की बच्ची की मौत हो गई जबकि पिता घायल हैं।

जबलपुर : निदान फॉल में डूबे युवक का शव 22 घंटे बाद मिला

जबलपुर के गढ़ा क्षेत्र में रहने वाले युवक का शव 22 घंटे बाद निदान फॉल से मिला। युवक बुधवार को अपने दोस्तों के साथ कटंगी स्थित निदान वाटर फॉल गया था, जहां पैर फिसलने से वह गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद दोस्तों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।मौके पर पहुंचे गोताखोरों ने शाम को उसकी तलाश की, लेकिन अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा। गुरुवार को फिर खोजबीन शुरू की गई, जिसके बाद युवक का शव मिला। राजेंद्र झारिया दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। इस दौरान वह फॉल के लगभग 50 फीट ऊपर चढ़ गया था, तभी उसका पैर फिसल गया और वह पत्थरों से टकराते हुए गहरे पानी में जा गिरा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में विस सत्र की तैयारी और लंबित कार्यों की समीक्षा

भोपाल(नप्र)। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में विधानसभा के आगामी सत्र की तैयारी और लंबित कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में शून्यकाल, अपूर्ण उत्तर, आश्वासन, लोकलेखा समिति की सिफारिशें, विधानसभा में विभागों के प्रशासनिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने पर चर्चा की गयी। मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देश दिए कि सभी विभाग प्रमुख अपने काम समय-सीमा में करें। कार्य की साप्ताहिक

समीक्षा भी की जाये।

मुख्य सचिव श्री जैन ने बैठक में 5 वीं राष्ट्रीय मुख्य सचिव कांफ्रेंस की तैयारियों के भी निर्देश दिये। उन्होंने अतिरिक्त कोर्ट केस, राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, मानवाधिकार आयोग, अनुसूचित जाति/ जनजाति आयोग के प्रकरणों में राज्य शासन की ओर से समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिये।

बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री जे.एन. कंसोटिया, श्री अशोक वर्णवाल, श्री संजय शुक्ल, श्री मनु श्रीवास्तव, श्रीमती रश्मि अरूण शमी, प्रमुख सचिव श्री विवेक पोरवाल, श्री संदीप यादव सहित विभागों के सचिव, अपर सचिव एवं उप सचिव उपस्थित थे।